Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक संजीवनी टुडे

sanjeevnitoday.com

समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 59 जयपुर, शनिवार, 03 अगस्त 2024 पृष्ठ:8 मूल्य: ` 1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे

अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन की कार्यवाही की मांग

जयराम रमेश बोले- वायनाड हादसे पर गृह मंत्री ने सदन को गुमराह किया

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव और सांसद जयराम रमेश ने शुक्रवार (2 अगस्त) को राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन की कार्यवाही शुरू करने की मांग की। रमेश ने आरोप लगाया कि केरल के वायनाड हादसे पर गृह मंत्री शाह ने सदन को गुमराह किया है। रमेश ने सभापति को लिखी चिट्ठी में कहा- 31 जुलाई को गृह मंत्री अमित शाह ने वायनाड हादसे पर ध्यानाकर्षण के जवाब में कहा कि केरल सरकार को हादसे से 7 दिन पहले यानी 23 जुलाई को चेतावनी दी गई थी। केरल सरकार ने इसे नजर अंदाज किया। सरकार इस पर अमल करती तो इतना बड़ा नुकसान नहीं होता। जयराम रमेश ने आगे लिखा कि इन दावों की मीडिया में बड़े पैमाने पर तथ्यों की जांच की गई है। 2 अगस्त, 2024 को द हिंदू में प्रकाशित एक फैक्ट चेक की रिपोर्ट भी शामिल है। ऐसे में यह स्पष्ट है कि गृह मंत्री ने केंद्र सरकार द्वारा जारी पूर्व चेतावनी पर अपने बयानों से राज्यसभा को गुमराह किया है। जो पूरी तरह से झूठे साबित हुए हैं। देश में सांसद और विधायक को कुछ विशेष अधिकार मिलते हैं। इसमें कई तरह के अधिकार शामिल होते हैं जैसे विधान सभा में उसके बारे में कोई गलत सूचना नहीं दी जा सकती। सदन में किसी सांसद के भाषण को किसी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती या अगर कोई दूसरा सांसद उनका नाम लेता है।

गृह मंत्री ने कहा- राज्य को पहले ही अलर्ट किया था

31 जुलाई को संसद में विपक्ष ने कहा कि 'अर्ली वॉर्निंग' भेज दी जाती तो वायनाड हादसा में मौतों को टाला जा सकता था। इस पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- अर्ली वॉर्निंग, अर्ली वॉर्निंग, अर्ली वॉर्निंग... बोलते ही गए। अंग्रेजी में जितने भी गंभीर प्रकार के शब्द हैं अपने भाषण में डालकर बताया गया था। मैं सदन के सामने स्पष्ट करना चाहता हूं कि 23 जुलाई को केरल सरकार को अर्ली वॉर्निंग भारत सरकार की तरफ से दी गई थी। तो उन्हें जवाब देने का अधिकार है। यदि कोई सदस्य या मंत्री कोई टिप्पणी करता है या कोई व्यक्ति किसी सांसद की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाता है या सांसद को उसके काम करने से रोकता है तो कोई भी सांसद या विधायक स्पीकर (या राज्यसभा के मामले में सभापति) को शिकायत दर्ज करा सकता है। वह यह शिकायत दर्ज करा सकता है कि उसके विशेषाधिकारों का उल्लंघन किया गया है।

केरल सीएम बोले- तबाही के बाद अलर्ट जारी किया गया था

शाम होते-होते अमित शाह के इस दावे पर केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन का भी जवाब आया था। विजयन ने कहा कि केंद्र सरकार की तरफ से सूचना वायनाड में तबाही हो जाने के कई घंटों बाद मिली थी। 31 जुलाई को राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने उन पर लगाए गए परिवारवाद के आरोप का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा था कि कल मैं यहां लास्ट मूमेंट में नहीं था। उस समय माननीय सदस्य घनश्याम तिवाड़ी ने सदन में एक समस्या उठाई। उनके मन में क्या था, पता नहीं। खड़गे ने आगे कहा था कि राजनीति में ये मेरा पहला जनरेशन है। परिवार में कोई और नहीं था। पिता जी ने ही मुझे पाला-पोषा। मैं उनके आशीर्वाद से ही यहां तक पहुंचा। यह कहते हुए खड़गे ने अपने पिता के बारे में कहा कि वह 95 नहीं, 85 की उम्र में गुजरे। इस पर सभापति जगदीप धनखड़ ने उनसे कहा था कि मैं चाहता हूं कि आप 95 से भी आगे जाएं। इसी पर खड़गे ने भावुक होते हुए कहा कि मैं इस माहौल में ज्यादा जीना नहीं चाहता। इतना बोलते ही उनका गला भर आया था। 21वीं सदी में एक नया 'चक्रव्यूह' रचा गया है- वह भी कमल के फूल के रूप में तैयार हुआ है। इसका चिह्न प्रधानमंत्री अपने सीने पर लगाकर चलते हैं। अभिमन्यु के साथ जो किया गया, वह भारत के साथ किया जा रहा है। आज चक्रव्यूह के बीच में 6 लोग हैं।

जयपुर में पुलिस चैकिंग को लेकर झगड़ा

सिख युवक की गिरी पगड़ी पर विवाद, 2 घंटे विरोध को लेकर किया प्रदर्शन

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। जयपुर में सिविल ड्रेस में पुलिसकर्मियों को चैकिंग को लेकर शुक्रवार रात बड़ी झड़प हो गई। झगड़े में सिख युवक की पगड़ी गिरने को लेकर हुए विवाद में सैकड़ो लोग इकट्ठा हो गए। धार्मिक भावना को ठहस पहुंचाने को लेकर दो घंटे तक लोग प्रदर्शन करने में जुटे रहे। पुलिस प्रशासन ने हालत बिगड़ते देखकर बड़ी संख्या में जाब्ते को तैनात कर समझाइस के बाद मामले को शांत करवाया। पुलिस ने बताया- शुक्रवार रात करीब 9:30 बजे सिविल ड्रेस में पुलिसकर्मी गोपालपुरा बाईपास स्थित शराब दुकानों पर कार्रवाई के लिए पहुंचे थे। शराब दुकान को लेकर पहुंचे पुलिसकर्मियों की कार्रवाई को लेकर पड़ोसी कैफ़े मालिक से कहासुनी हो गई। आरोप है कि अवैध शराब बेचने के आरोप में सिविल ड्रेस में आए पुलिसकर्मियों ने मारपीट कर दी। जिसके चलते बचने आए सिख युवक की बीच-बचाव के दौरान पगड़ी गिर गई। देखते ही देखते मौहाल बिगड़ने पर कहासुनी के बाद झगड़ा हो गया। दोनों ही पक्षों में जमकर मारपीट होना शुरू हो गई। आरोप है कि पुलिसकर्मी होने का दावा करने वाले

युवकों ने जमकर मारपीट करना शुरू कर दिया। सिख युवक के साथ बदतमीजी होने का पता चलने पर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। विरोध कर प्रदर्शन कर रहे लोगों ने पुलिसकर्मियों पर धार्मिक भावनाओं का अपमान करने का आरोप लगाया। लिस अधिकारियों ने कहा कि वे अभी भी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या हुआ था। ''दो पुलिसकर्मी अवैध शराब के किसी ऑपरेशन पर कार्रवाई करने गए थे। ऐसा लगता है कि किसी प्रकार का भ्रम हुआ जिससे चीजें बढ़ गईं। मौके पर पहुंचे पुलिस अतिरिक्त जाब्त की मदद से स्थिति पर काबू पाया गया। पुलिस आलाधिकारियों ने समझाइस कर मामले को शांत किया।

इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम की जांच एसआईटी नहीं करेगी, याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट बोला- इसमें दखलंदाजी गलत होगी, केवल संदेह के आधार पर आदेश नहीं दे सकते

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (2 अगस्त) को इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम की एसआईटी जांच कराने की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला ने कहा कि इसमें दखलंदाजी करना आर्टिकल 32 के तहत गलत और समय से पहले होगा। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि हम इस आधार पर ऑर्डर नहीं दे सकते कि इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदी कॉर्पोरेट्स और राजनीतिक दलों के बीच हुआ लेन-देन (क्विड प्रो क्वो) था। क्विड प्रो क्वो यानी किसी चीज के बदले कुछ देना या कुछ हासिल करना होता है। एख्कचंद्रचूड़ ने ये भी कहा कि टैक्स असेसमेंट के मामलों की दोबारा जांच से अथॉरिटी के कामकाज पर भी असर पड़ेगा। शीर्ष कोर्ट ने एलजीओ कॉमन कॉज और सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन समेत 4 याचिकाओं पर सुनवाई की थी। इनमें दावा किया गया था कि इलेक्टोरल बॉन्ड के नाम पर राजनीतिक दलों, निगमों और जांच एजेंसियों के बीच स्पष्ट लेन-देन होता है। फरवरी में सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को रद्द कर दिया था। साथ ही एसबीआई को इलेक्टोरल बॉन्ड तुरंत बंद करने का आदेश दिया था। क्योंकि यह अपराध से जरिए कमाई गई राशि है।

याचिकाकर्ताओं का दावा था कि कंपनियों ने फायदे के लिए पॉलिटिकल पार्टियों को बॉन्ड के जरिए फंडिंग की। इसमें सरकारी काम के ठेके, लाइसेंस पाने, जांच एजेंसियों की जांच से बचने और पॉलिसी में बदलाव शामिल है। याचिका में ये आरोप भी थे कि घटिया दवाइयां बनाने वाली कई फार्मा कंपनियों ने इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे, जो भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 का उल्लंघन है। 2017 में अरुण जेटली ने इसे पेश करते वक्त दावा किया था कि इससे राजनीतिक पार्टियों को मिलने वाली फंडिंग और चुनाव व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी। ब्लैक मनी पर अंकुश लगेगा। वहीं, विरोध करने वालों का कहना था कि इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदने वाले की पहचान जाहिर नहीं की जाती है।

याचिका में दावा था- फायदे के लिए फंडिंग की

मार्च 2024 में इलेक्टोरल बॉन्ड का डेटा सामने आने के बाद यह याचिका लगाई गईं। इसमें दो मांगें रखी गई थीं। पहला- इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए कॉर्पोरेट्स और राजनीतिक दलों के बीच लेन-देन की जांच एसआईटी से कराई जाए। एसआईटी की निगरानी सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज करें। दूसरी मांग थी कि आखिर घाटे में चल रहीं कंपनियों (शेल कंपनियां भी शामिल) ने पॉलिटिकल पार्टीज को कैसे फंडिंग की। अधिकारियों को निर्देश दिया जाए कि पॉलिटिकल पार्टियों से इलेक्टोरल बॉन्ड में मिली राशि वसूल करें।

मणिपुर सीएम बोले-5 साल में 10 हजार अवैध प्रवासी आए

हिंसा से पहले म्यांमार से 2400 आ चुके थे; डिटेंशन सेंटर के लिए 85 लाख खर्च

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि पिछले 5 साल में राज्य में कुल 10,675 घुसपैठिए आए हैं। उन्होंने 12वीं विधानसभा के छठे सेशन में कहा- ये घुसपैठिए म्यांमार, बांग्लादेश, नॉरवे, चीन और नेपाल से आए हैं।इन 10,675 में से 85 पिछले 5 साल में वापस भेज दिए गए। फिलहाल 143 घुसपैठिए डिटेंशन सेंटर में हैं। इन लोगों के मेंटेनेंस में 85 लाख से ज्यादा खर्चा हो रहा है। अवैध अप्रवासियों को रोकने के लिए सरकार वेरिफिकेशन प्रोग्राम चला रही है। इसका आदेश 24 मार्च, 2023 को दिया गया था। इसके तहत चूड़ाचांदपुर, चंदेल, टेंग्नौपाल, कामजोंग और फ़ेरजावल जिले में प्रवासियों की पहचान किए जाने का काम हो रहा है। सीएम ने कहा कि राज्य में हिंसा भड़कने से पहले ही म्यांमार से 2,480 अवैध अप्रवासी आ गए थे। इन्हें रोकने के लिए केंद्र सरकार ने घोषणा की है कि भारत-म्यांमार बॉर्डर पर फेंसिंग होगी। फेंसिंग का काम पहले ही शुरू हो चुका है। पिलर 79 से 81 के बीच 9 किलोमीटर की बॉर्डर फेंसिंग हो भी चुकी है। जिला पुलिस अप्रवासियों को रोकने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही है।

सीएम विधानसभा में बोले- हिंसा का राजनीतिकरण हो रहा है

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने गुरुवार को विधानसभा में कहा- सरकार शांति स्थापित करने के लिए काम कर रही है। इसे लेकर असम के सिलचर में कई बैठकें हो चुकी हैं। जल्द ही शांति स्थापित करने को लेकर बड़ा ऐलान भी करेंगे। उन्होंने आगे कहा- हिंसा का राजनीतिकरण किया जा रहा है। इसलिए हालात मुश्किल हो रहे हैं। कुछ तत्व ऐसे हैं जो राजनीति कर रहे हैं। मैं उनसे अपील करता हूं कि वे ऐसा न करें। इससे एक दिन पहले बुधवार को बीरेन सिंह ने विधानसभा में कहा था कि हिंसा में अब तक 226 लोग मारे जा चुके हैं। वहीं, 39 लापता हैं। 11,133 घरों में आग लगाई गई, जिसमें से 4,569 घर पूरी तरह खत्म हो चुके हैं। हिंसा को लेकर कुल 11,892 केस दर्ज हुए हैं। 59,414 विस्थापित लोग राहत शिविरों में हैं। 5,554 किसानों की जमीन बर्बाद हो गई है। विस्थापितों को 302 राहत कैंप में स्थापित किया गया है। बॉर्डर एरिया में 6 पुलिस स्टेशन और 34 पुलिस चौकियां स्थापित करने की प्रक्रिया भी चल रही है। इसके अलावा बॉर्डर के पास वाले 5 जिलों में सिविल और पुलिस नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। मार्च 2023 में मणिपुर हाईकोर्ट ने मैतेई समुदाय को अनुसूचित जाति में शामिल करने के लिए केन्द्र सरकार को सिफारिशें भेजने के लिए कहा था।

शिवराज बोले-कांग्रेस को शकुनि, चौसर, चक्रव्यूह क्यों याद आते हैं

■ संजीवनी टुडे

इन शब्दों का संबंध अधर्म से, राहुल गांधी ने बजट की तुलना चक्रव्यूह से की थी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का शुक्रवार (2 अगस्त) को दसवां दिन है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्यसभा में शकुनि, चौसर, चक्रव्यूह का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर कटाक्ष किया। शिवराज ने कहा- कांग्रेस को याद आए तो भी शकुनि याद आए। शकुनि, चौसर, चक्रव्यूह इन सारे शब्दों का संबंध अधर्म से है... जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी। उन्होंने आगे कहा कि शकुनि छल, धोखे और कपट के प्रतीक थे। चौसर में थे तो धोखे से ही हराया गया था। चक्रव्यूह मतलब घेर के मारना। अब कांग्रेस को क्यों चक्रव्यहू, शकुनि, चौसर ही याद आते हैं।'' शिवराज ने आगे कहा कि हम जब महाभारत काल में जाते हैं तो भगवान श्रीकृष्ण याद आते हैं। शिवराज का ये बयान राहुल गांधी के उस बयान पर आया, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार के बजट की तुलना महाभारत के चक्रव्यूह से की थी। राहुल ने कहा था कि महाभारत में अभिमन्यु के साथ जो किया गया, वह भारत के साथ किया जा रहा है। शिवराज ने कहा- कांग्रेस के क्नाइ में किसान विरोध है। कांग्रेस की प्राथमिकताएं प्रारंभ से ही गलत रहीं। जवाहरलाल नेहरू 17 साल देश के प्रधानमंत्री रहे। तब देश को अमेरिका से आया सड़ा हुआ लाल गेहूं खाने को विवश होना पड़ता था। इंदिरा गांधी के समय किसानों से जबरन लेवी वसूली का काम होता था। 29 जुलाई को मानसून सत्र के छठवें दिन लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बजट की तुलना महाभारत के चक्रव्यूह से की थी। राहुल ने लोकसभा में कुल 46 मिनट भाषण दिया। इसमें 4 बार अडाणी-अंबानी का नाम लिया, दो बार मुंह पर उंगली रखी। स्पीकर ने भाषण के दौरान राहुल को 4 बार टोका था। राहुल ने जब हलवा सेरेमनी का पोस्टर लहराया, तो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सिर पकड़ लिया था। राहुल ने कहा था हजारों साल पहले कुरुक्षेत्र में अभिमन्यु को चक्रव्यूह में फंसाकर 6 लोगों ने मारा था। चक्रव्यूह का दूसरा नाम है- पद्मव्यूह, जो कमल के फूल के शेप में होता है।

राहुल बोले- मेरे खिलाफ क्करेड की प्लानिंग: इंतजार करूंगा

चाय-बिस्किट मेरी तरफ से; दावा- संसद में चक्रव्यूह वाले भाषण से सरकार नाराज

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दावा किया है कि उनके खिलाफ एनफोर्समेंट डायरेक्टरोट रेड की प्लानिंग हो रही। राहुल ने गुरुवार देर रात 1:52 बजे ड्ड पर की गई एक पोस्ट में यह दावा किया। उन्होंने लिखा- टू-इन-1 को मेरा चक्रव्यूह भाषण पसंद नहीं आया। ईडी के अंदरूनी सूत्रों ने मुझे बताया कि मेरे खिलाफ रेड की योजना बनाई जा रही है। मैं क्क अधिकारियों का बांहें फैलाकर इंतजार कर रहा हूं। चाय और बिस्किट मेरी तरफ से। राहुल ने 29 जुलाई को संसद सत्र के दौरान बजट 2024-25 पर लोकसभा में भाषण दिया था। इसी दौरान उन्होंने बजट की तुलना महाभारत के चक्रव्यूह से की। उन्होंने कहा कि छह लोगों का एक ग्रुप पूरे देश को चक्रव्यूह में फंसा रहा है। ये 6 लोग- नरेंद्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत, अजित डोभाल, अडाणी और अंबानी हैं। राहुल ने कहा था- हजारों साल पहले कुरुक्षेत्र में अभिमन्यु को चक्रव्यूह में फंसाकर 6 लोगों ने मारा था। चक्रव्यूह का दूसरा नाम है- पद्मव्यूह, जो कमल के फूल के शेप में होता है। इसके अंदर डर और हिंसा होती है।

31 जुलाई को अनुराग ठाकुर ने कहा था- राहुल ने न महाभारत पढ़ी, न देखी

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने 31 जुलाई को संसद में भाषण देते हुए राहुल पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग एक्सीडेंटल हिंदू हैं और महाभारत के बारे में उनका ज्ञान भी एक्सीडेंटल है। इन लोगों ने न तो संविधान पढ़ा है और न ही महाभारत। आश्चर्य की बात है कि उन्होंने महाभारत देखी भी नहीं है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि महाभारत में अभिमन्यु की हत्या में 6 नहीं बल्कि 7 महारथी शामिल थे। अनुराग ने कहा कि अगर राहुल

गांधी ने महाभारत नहीं देखी या पढ़ी है तो कम से कम उन्हें अपने सांसद शशि थरूर का नॉवेल 'द ग्रेट इंडियन नॉवेल' पढ़ना चाहिए था। ठाकुर ने लोकसभा में शशि थरूर की 'द ग्रेट इंडियन नॉवेल' पढ़ते हुए कहा कि 15 अगस्त 1947 को नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं थे। वह (शशि थरूर) कह रहे हैं कि 1947 में जिसने सत्ता संभाली वह धृतराष्ट्र थे। अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल ने चक्रव्यूह का विषय उठाकर अच्छा किया क्योंकि इस देश ने कांग्रेस पार्टी के कई चक्रव्यूह अच्छे से देखे हैं। राहुल ने कहा- 21वीं सदी में एक नया 'चक्रव्यूह' रचा गया है- वो भी कमल के फूल के रूप में तैयार हुआ है। इसका चिह्न प्रधानमंत्री अपने सीने पर लगाकर चलते हैं। अभिमन्यु के साथ जो किया गया, वह भारत के साथ किया जा रहा है। देश के किसान, मजदूर और नौजवान डरे हुए हैं। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर- हम सभी जानते हैं कि भाजपा सरकार और घ्ब्र मोदी ने पिछले 10 सालों में विपक्षी नेताओं को बदनाम करने के लिए क्क, एउक्रऔर ऱ्ढ्ढ का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग किया है। 2024 में भाजपा बहुमत भी हासिल नहीं कर सकी। यह सरकार फिर से विपक्ष के नेता के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करना शुरू कर रही है।

लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश

जनसमस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री गंभीर, लापरवाह अफसरों को हटाने का आदेश

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अपने निर्वाचन क्षेत्र सांगानेर विधानसभा क्षेत्र की जन समस्याओं को लेकर गंभीर है। सीएम ने शुक्रवार को सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में 1913 करोड़ के 65 कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों के लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। सांगानेर में बड़ी संख्या में पेयजल कनेक्शन पेंडिंग रहने और काम में लापरवाही बरतने वाले एईएन व जेईएन को तत्काल हटाने के निर्देश दिए है। सीएम ने कैंप लगाकर पानी कनेक्शन के आवेदनों को शीघ्र निस्तारण करने

के निर्देश दिए। इसके साथ ही प्रदेशभर में नल कनेक्शन के लिए आवेदन की प्रक्रिया का सरलीकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित अन्य अधिकारी व सांगानेर के जनप्रतिनिधि मौजूद थे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि प्रशासन आमजन की हर समस्या के समाधान का अंतिम पड़ाव है। ऐसे में आमजन सरकार की तरफ उम्मीद भरी निगाहों से देखते हैं। उन्होंने कहा कि आमजन से सरोकार रखने वाले विभागों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से जनसुनवाई करें।

ज्ञानवापी के बाहर हंगामा, नमाज का बहिष्कार

गेट न हटाने पर नमाजी भड़के, पुलिस से नोकझोंक, मुफ्ती ने दिया 7 दिन का अल्टीमेटम

■ संजीवनी टुडे

वाराणसी। वाराणसी में सावन की शिवरात्रि और जुमे की नमाज के दिन माहौल गरमा गया। ज्ञानवापी के बाहर 500 से ज्यादा नमाजियों ने हंगामा कर दिया। नमाजियों ने ज्ञानवापी में नमाज पढ़ने से इनकार कर दिया। हंगामे की सूचना पर फोर्स मौके पर पहुंची। इस दौरान पुलिसकर्मियों और नमाजियों में नोकझोंक हो गई। इस पर शहर मुफ्ती धरने पर बैठ गए। ज्ञानवापी के भीतर करीब 150 नमाजी पहुंच गए थे, उन्होंने नमाज का बहिष्कार कर दिया। दरअसल, गुरुवार को प्रशासन काशी विश्वनाथ धाम के गेट नंबर-4 से सटाकर ज्ञानवापी के नमाजियों के लिए नया अस्थायी गेट बनवा रहा था। नमाजियों ने नई परंपरा बताकर विरोध किया तो प्रशासन ने गेट बनाने का फैसला वापस ले लिया। हालांकि, गेट की चौखट बन चुकी थी। प्रशासन ने कहा था रात में इसे भी हटवा देंगे। आज दोपहर नमाजी पहुंचे। देखा तो वहां से चौखट नहीं हटी थी। इस पर उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। शहर मुफ्ती ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि अगर अगले जुमे (9 अगस्त) तक गेट की चौखट नहीं हटी तो नमाज का बहिष्कार होगा।

ये प्रशासन की मनमानी: शहर मुफ्ती

शहर मुफ्ती मौलाना अब्दुल बातिन नोमानी ने कहा- ज्ञानवापी परिसर में ऑन रिकॉर्ड ये तय है कि यहां कोई भी नया काम होगा, तो वह मस्जिद कमेटी की सहमति से ही होगा। उनको जानकारी देने के बाद उन्हें साथ लेकर ही नया काम होगा। ये जो मस्जिद के नाम पर गेट लगाया जा रहा है। उसकी मस्जिद कमेटी को न कल (गुरुवार) कोई सूचना थी, ना पहले कुछ बताया गया था। जब वहां तैयारी कर ली गई और गेट लगाने जा रहे थे, तब हमें पता चला। फिर हम लोग यहां आए। उसका विरोध किया गया। विरोध करने पर प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा- ये मस्जिद और नमाजियों की सुरक्षा के लिए लगाया जा रहा। हम इसे नहीं मानते। हमारा ये मानना है कि ये गेट लगेगा, तो मस्जिद में आने वाले नमाजियों को दिक्कत होगी। नमाजी सही से नमाज नहीं पढ़ पाएंगे। शहर मुफ्ती ने आरोप लगाया कि जब गेट नहीं लगा है, तब आम दिनों में नमाजियों से छेड़छाड़ की जाती है, तो गेट लगाने के बाद क्या होगा। कौन लेगा इसकी गारंटी? मनमानी होगी कि नमाज कौन पढ़ेगा, कौन नहीं पढ़ेगा।

खबरें फटाफट

रेलवे ट्रेक पर मिला युवती का शवः सुसाइड या हादसा, जांच में जुटी पुलिस; पहचान नहीं हुई

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर।उदयपुर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में देबारी रेलवे ट्रेक पर शुक्रवार को युवती का शव मिला। ग्रामीणों रेलवे ट्रेक किनारे खून से सना शव देखकर हैरान रह गए। प्रतापनगर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। बताया जा रहा है कि गुरुवार देर रात ट्रेन से कटकर युवती की मौत हुई है। हालांकि ये सुसाइड है या कोई हादसा, इस मामले की जांच पुलिस कर रही है। युवती की शिनाख्त नहीं हो पाई है। शव को एमबी सरकारी हॉस्पिटल की मॉच्यूरी में रखवाया गया है।

बलेनो कार से 50 ग्राम एम.डी.एम.ए. व 79800 रूपये जब्त, एक आरोपी गिरफतार

■ संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। जिले की साडास थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक बलेनो कार से 50 ग्राम एम.डी.एम.ए. व 79800 रूपये जब्त कर एक आरोपी को गिरफतार किया है। पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों की खरीद फरोख्त व परिवहन करने वालो के खिलाफ कार्यवाही के क्रम में एएसपी चित्तौड़गढ़ परबत सिंह व डीएसपी गंगरार रामेश्वर प्रसाद के सुपरविजन मे थानाधिकारी साडास कैलाशचन्द उ.नि. व पुलिस जाप्ता एएसआई गोपालसिंह, कानि. मक्खनलाल, सुरेशनाथ व अनिल कुमार द्वारा नाकाबंदी के दौरान एक बलेनो कार से 50 ग्राम एम.डी.एम.ए. व 79800 रूपये जब्त कर आरोपी गोपालपुरा थाना बिजयपुर निवासी 27 कमलेश जाट पुत्र भवरलाल जाट को गिरफतार किया गया। मामले में साडास थाने पर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

आखिरकार कब खुलेगा विद्यालय का मुख्य गेट

■ संजीवनी टुडे

बांसड़ा। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बांसड़ा के मुख्य गेट बनने के बाद एक भी बार नहीं खुला है ना राष्ट्रीय पर्व पर खुला है ना ही किसी ओलंपिक खेल में खुला है यह केवल बनाकर शो पीस ही रख रखा है क्या अब राष्ट्रीय पर्व पर मुख्य द्वार खुलेगा। मुख्य मार्ग पर होने के कारण अधिकारी एवं छात्र-छात्राओं को दूसरे रास्ते आना पड़ता है। विद्यालय में भामाशाह के रूप में श्री बजरंग सेवा समिति बांसडा द्वारा 2015 में?60000 का लगभग से विद्यालय का मेंन गेट बनाया गया। मुख्य गेट नाम बजरंग द्वार रखा गया । गेट को बनाए हुए करीब 10 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं 10 वर्ष में 10 बार भी इस गेट को नहीं खोला गया।

दस हजार रुपये का ईनामी तस्कर गिरफ्तार

■ संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। कपासन थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में फरार दस हजार रुपये के ईमानी बदमाश को गिरफ्तार किया हैं। दो साल पहले पुलिस द्वारा एक पीकअप से जब्त 867 किलो अवैध डोडाचूरा के मामले में फरार चल रहा था। जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि 08 मई 2022 को तत्कालीन थानाधिकारी आकोला ओंकार सिंह उ. नि. व पुलिस जाब्ता द्वारा एक पीकअप वाहन से 867 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा, एक देशी कट्टा व 07 कारतूस जब्त किए थे, जिसमें आरोपी मौके से फरार हो गया था, जिसे नामजद कर उसकी तलाश व गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय से दस हजार रुपये के ईनाम की घोषणा की गई थी। इसी दौरान सूचना मिली कि आरोपी बाड़मेर जिले के पोसाल बिजराड पुलिस थाना बिजराड निवासी 30 वर्षीय धन्ना राम पुत्र उदाराम जाखड जाट को कोतवाली बाडमेर थाना पुलिस ने डिटेन कर रखा है। इसी क्रम में एएसपी चित्तौड़गढ़ परबत सिंह व डीएसपी कपासन अनिल सारण के सुपरविजन में पुलिस थाना कपासन से एएसआई ऐजाज मोहम्मद, कानिं. कैलाश, पप्पुराम व सतीश द्वारा पुलिस थाना कोतवाली बाडमेर पहुंच आरोपी धन्नाराम जाट को डिटेन से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमाण्ड प्राप्त किया गया।

पर्ची सरकार के मंत्री पानी की समस्या को सुलझाने की बजाय दे रहे हैं हास्यास्पद बयान: जूली

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सदन में पानी पर चर्चा के दौरान तीखे तेवर दिखाते हुए जलदाय मंत्री और पर्ची वाली सरकार को जमकर घेरा। जूली बोले प्रदेश के जलदाय विभाग के मंत्री पानी की समस्या को सुलझाने के बजाय ऐसे हास्यप्रद बयान दे रहे हैं और उनके इस बयान पर हर कोई चुटकी ले रहा है । उन्होंने कहा कि प्रदेश की पानी की समस्या सुलझाने के बजाय जलदाय विभाग के मंत्री कह रहे हैं कि मैं कोई बालाजी नहीं हूं जो फूंक मारकर पानी ला दूं। जूली ने कहा कि अगर राजस्थान सरकार के मंत्री पानी पर काम कर रहे होते तो मुख्यमंत्री को पम्प हाउस का दौरा नहीं करना पड़ता। उन्होंने कहा कि सीएम भले आदमी है, अधिकारी जो लिखकर देते हैं वही बोल देते हैं वरना पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पानी पर पूरा फोकस करते हुए हर साल पानी को लेकर बैठकें आयोजित की। उन्होंने कहा कि यह सरकार बरसात का पानी भी नहीं सहज पा रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार के पानी वाले मंत्री अगर यह कहे कि मैं कोई बालाजी नहीं तो पानी लाएगा कौन।जनता ने जिम्मेदारी दी है, सरकार बना दी है, डबल इंजन नहीं अब तो ट्रिपल इंजन की सरकार है फिर भी जनता पानी के लिए तरस रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान प्रदेश की पर्ची वाली सरकार पानी और बिजली दोनों मुद्दों पर फ़ेल साबित हो रही है। उन्होंने अलवर जिले का जिक्र सदन में करते हुए कहा कि गंदा पानी आने की वजह से अलवर में पीलिया फैला एक की मौत हो गई और कई को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा।अलवर में ऐसा कोई दिन नहीं जाता जब पानी के लिए धरना नहीं होता। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई के दौरान जिले के कलेक्टर को अलग टेंट लगाना पड़ता है। पानी की समस्या को लेकर जनसुनवाई के लिए पहुंचे लोगों को पुलिस के दम पर अंदर जाने में दिया जाता और एक अलग टेंट लगाकर उन्हें बैठा दिया जाता है जहां उन्हें पीने का पानी भी नसीब नहीं होता। उन्होंने कहा कि राजस्थान के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब पानी की समस्या से त्रस्त अलवर के एडवोकेट बुजुर्ग ने परेशान होकर आत्महत्या कर ली जो प्रदेश के लिए शर्म की बात है।जूली बोले देश में नारा लगा बिजली पानी दे ना सके वो सरकार निकम्मी है जो सरकार निकम्मी है वह सरकार बदलनी है उन्होंने कहा जनता ने यह तय कर लिया है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन

योजना में घोषणा करते हैं कि पैसे दे रहे हैं, दावे से कह रहे हैं लेकिन सच्चाई यह है कि दिल्ली में जब पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह सरकार थी तब पानी के लिए जो पैसा आता था उसका 90 प्रतिशत भारत सरकार देती थी और 10 प्रतिशत राजस्थान सरकार देती थी लेकिन घर घर नल पहुंचाऊंगा का दावा करने वाले देश के पीएम और राजस्थान के 25 सांसद और जल शक्ति मंत्री होने के बावजूद जेजेएम में पैसा जो जब 90 प्रतिशत मिलता था वह 45 प्रतिशत कर दिया गया है, घर घर नल के मिशन की यह सच्चाई है। उन्होंने कहा कि पानी के बड़े दावे किए जा रहे लेकिन हालात इसके विपरीत है। खुद विधानसभा अध्यक्ष जी ने सदन में पानी पर कहा कि अजमेर में चार दिन में एक बार पानी आता है यह आपके दावों की पोल खोलता है।

उन्होंने कहा कि अध्यक्ष जी मुझे आश्चर्य है यह जो मेरी स्पीच पर चिल्ला रहे हैं इनमें से ही 50 लोगों ने सीएम को पत्र लिखकर कहा है कि हमारे क्षेत्र में पानी की समस्या है कैसे झुठला पाओगे आप। जूली बोले ऑस्ट्रेलिया के मशहूर क्रिकेटर शेन वार्न से जब पूछा गया कि आप सचिन तेंदुलकर के बारे में क्या सोचते हैं वो बोले सचिन मेरे सपने में आते हैं। ऐसा ही कुछ राजस्थान में भी हो रहा है सत्ता पक्ष के सपने में भी टीकाराम जूली आता है इसलिए हर चीज में नेता प्रतिपक्ष को जोड़ते हैं। सदन में बिजली को लेकर चर्चा में बोले नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली कहा कि पिछले तीन महीने से बिजली के हालात खराब है। आम जनता बिजली से इतनी त्रस्त जितनी किसी और चीज से नहीं है। उन्होंने कहा कि बिजली, पानी, चिकित्सा, शिक्षा देने की सरकार की जिम्मेदारी है। जूली बोले सदन चलते वक्त किसी प्रकार का कोई टैक्स नहीं लगाया जा सकता।उन्होंने कहा कि विधानसभा की गरिमा को तार तार कर रहे है, विधानसभा में सूचना दिए बिना फ्यूल सरचार्ज बढ़ा दिया। उन्होंने कहा कि अब बिजली का 2 महीने का बिल 1 महीने के लिए कर दिया इस सरकार की मंशा जनता के हित में नहीं है। जोधपुर, बीकानेर, नागौर, झालावाड़ में कार्यकर्ता और बिजली कर्मचारियों में संघर्ष हुआ है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा गूंगी बहरी सरकार है सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है।उन्होंने कहा कि पूरे देश भर में डिस्कॉम का घाटा 3 लाख करोड़ से ज्यादा है,दिसंबर 2023 तक 15195 मेगावाट की क्षमता विकसित की थी तत्कालीन मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा था कि 2027 तक राजस्थान 542 गीगावॉट तक बिजली उत्पादन कर लेगा। उन्होंने प्रदेश के सीएम के गृह जिले पर बिजली आपूर्ति पर कहा कि भरतपुर में बिजली कटौती नहीं है तो पूरे प्रदेश में क्यों हो रही है।

फर्जी रजिस्ट्री करने वाले गिरोह का मास्टर माईड एंव फर्जी आधार कार्ड बनाने वाला ई-मित्र संचालक गिरफ्तार

■ संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। कृषि भूमि के वास्तविक मालिक की मृत्यु के पश्चात उसके स्थान पर डमी खातेदार खड़ा कर उसका नकली आधार कार्ड बना धोखाधड़ी कर फर्जी रजिस्ट्री कराने के मामले में कोतवाली निम्बाहेड़ा थाना पुलिस ने फर्जी रजिस्ट्री करने वाले गिरोह के मास्टर माईड एंव फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले ई-मित्र संचालक को गिरफ्तार किया है। गिरोह का मास्टर माईड फर्जी रजिस्ट्री कराने के कई मामलों में लिप्त पाया गया है। डमी खातेदार बनने वाले आरोपी को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस अधीक्षक महोदय चित्तोडगढ सुधीर जोशी के अनुसार जैर तफ्तीश प्रकरणो में वांछित अभियुक्तगणो के धरपकड़ कार्यवाही के क्रम में परबत सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चित्तौडगढ व बद्रीलाल राव पुलिस उप अधीक्षक महोदय वृत निम्बाहेडा के निकटतम सुपरविजन में राम सुमेर मीणा पु.नि. थानाधिकारी कोतवाली निम्बाहेडा के निर्देशन में ओमप्रकाश सउनि, रणजीत कानि, जगदीश कानि, नरेन्द्र सिंह कानि. की टीम का गठन कर कस्बा निम्बाहेड़ा में

कृषिं भुमि को डमी मालिक खड़ा कर फर्जी तरीके से रजिस्ट्री करने के मामले में गिरोह के सरगना सहित दो आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जीत की। फर्जी रजिस्ट्री करवाने वाले गिरोह के मास्टर माईड नानुसिंह पुत्र मदनिसंह रावत निवासी घटेरा हाल राजेन्द्र नगर निम्बाहेडा पुलिस थाना कोतवाली निम्बाहेडा एंव फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले मुजाहीद खान पुत्र असरफ खान जाति मुसलमान उम्र 29 साल पैशा ई-मित्र संचालक निवासी बेडा बक्षी निम्बाहेडा पुलिस थाना कोतवाली निम्बाहेडा जिला चित्तौडगढ को गिरफ्तार कर न्यायालय मे पेश कर पुलिस अभिरक्षा रिमाण्ड प्राप्त कर विस्तृत अनुंसधान जारी है ।

ब्रह्मचर्य की साधना महान साधना: गणिवर्य कमलप्रभ सागर

■ संजीवनी टुडे

ओसवाल स्थापना दिवस आज मनाया जाएगा

बाड़मेर। बाड़मेर श्री अचलगच्छ आचार्य गुणसागर सुरी साधना भवन में चातुर्मास में प्रवचन देते हुए कच्छ कोहिनूर गणीवर्य कमलप्रभसागर म सा ने ब्रह्मचर्य पर वर्णन करते हुए गुरुदेव ने बताया कि ब्रह्मचर्य का पूर्ण अर्थ आत्मा में रमण करना और उसको आचरणीय बनाना ही ब्रह्मचर्य की उत्कृष्ट साधना करना है। कुछ ग्रंथों का मानना है की संयम ही ब्रह्मचर्य है। लेकिन भगवान महावीर का दर्शन कहता है की मन, वचन, कर्म से साधना करना ही असली ब्रह्मचर्य है। यदि संयमी साधक ऊपर से शील की साधना कर रहा है लेकिन अन्दर से मन भटका रहता है तो वो सच्चा साधक नहीं हो सकता गुरु भगवंत ने कहा की स्थूलिभद्र जैन धर्म के अद्भुत ब्रह्मचर्य के साधक हुए हैं। 12 वर्ष तक गणिका कोशा के पास रहकर जब मन में संयम के प्रति जागृति आई तो उन्होंने संयम लेकर ब्रह्मचर्य की कठोर साधना की। जिससे उनका नाम आज भी जैन इतिहास में बड़े गौरव से लिया जाता है। विजय सेठ और विजय सेठानी भी अपने युग में एक ऐसे ही मिसाल कायम कर गए। शादी होने के बाद दोनों को पता लगा की उन्होंने बचपन में ब्रह्मचर्य का नियम लिया था। तब दोनों ने 12 वर्ष तक एक साथ रहकर नियम का कठोर पालन करके इतिहास कायम कर दिया

ओसवाल स्थापना दिवस आज

ओसवाल स्थापना दिवस-का कार्यक्रम परम्परागत रुप से स्थानीय श्री गुणसागरसुरि साधना भवन में 3 अगस्त 2024 शनिवार को प्रातः 9 बजे परम पूज्य गणिवर्य श्री कमलप्रभ सागर जी आदि मुनिवृंद, तेरापंथी साध्वी श्री सम्पूर्णयशा जी एवं खरतरगच्छीय साध्वी श्री कल्पलता श्री जी आदि साध्वीवृंद के सानिध्य एवं बाड़मेर के युवा जिला कलक्टर श्रीमान निशांत जैन के मुख्य आतिथ्य में जैन श्री संघ द्वारा मनाया जाएगा इस अवसर पर चातुर्मास कमेटी के अध्यक्ष जेठमल सिंघवी, उपाध्यक्ष उम्मेद कुमार श्री श्रीमाल, कोषाध्यक्ष संजय वडेरा, अशोक बोहरा, सचिव भीमराज सिंघवी सहित कई कमेटी के सदस्य वह गुरु भक्त मोजूद रहे

हाइवे पर भागता लेपर्ड कुएं में गिरा: रात को ग्रामीणों को कुएं में दिखा और सुबह ओझल हुआ, पहले शिकार के लिए बाड़े में गया

■ संजीवनी टुडे

बड़गाँव।उदयपुर-मंगलवाड़ नेशनल हाइवे पर गुरुवार रात एक लेपर्ड हाइवे के पास आस-पास के बाड़ों में घुस गया। लोगों के बाहर आने पर आए भागा। इस दौरान बिना मुंडेर के कुएं में गिर गया। लेपर्ड को बचाने के लिए वन विभाग की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर चुकी लेकिन रात को लेपर्ड कुएं में दिखा लेकिन सुबह नहीं दिखा। नेशनल हाइवे पर भटेवर कस्बे के पास गुरुवार रात करीब 12.30 बजे एक खेत में लेपर्ड को देखा गया। इस बीच लेपर्ड शिकार के लिए एक बाड़े में घुस गया। ग्रामीणों ने शोर मचाकर उसे भगाया। भीड़ को देखकर लेपर्ड हाइवे की तरफ भागा और एक कुएं में गिर गया। सूचना पर भटेवर पुलिस चौकी से जाब्ता मौके पर पहुंचा और भींडर रेंज को सूचना दी। टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। टीम पिंजरा भी साथ लेकर आई साथ में क्रेन भी मंगाई गई। सुबह तक टीम वहीं रही और काफी देर तक लेपर्ड अंदर नहीं दिखा। भटेवर सरपंच हेमंत अहीर ने बताया कि रात को करीब साढ़े बारह बजे लेपर्ड के आने की सूचना मिली। इसके बाद रात करीब ढाई बजे टीमें भी पहुंच गई थी। क्षेत्रीय वन अधिकारी कैलाश मेनारिया ने बताया कि लेपर्ड कुएं के बीच बैठा नजर आया है लेकिन सुबह से लेपर्ड नहीं दिखा। ऐसे में या

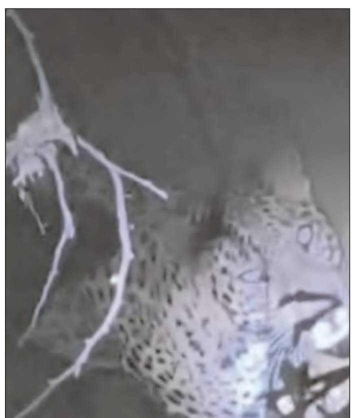

तो लेपर्ड अंधेरे में वहां से निकल कर भाग गया या वह क्षेत्रीय वन अधिकारी कैलाश मेनारिया ने बताया कि लेपर्ड कुएं के बीच बैठा नजर आया है लेकिन सुबह से लेपर्ड नहीं दिखा। ऐसे में या तो लेपर्ड अंधेरे में वहां से निकल कर भाग गया या वह पानी में डूब गया। मेनारिया बताते है कि रात के समय में लेपर्ड ने अंदर से निकलने के लिए अंदर छलांग भी लगाई लेकिन वहीं निकल पाया। उन्होंने बताया कि रेस्क्यू टीम वापस उदयपुर निकल गई और यहां स्थानीय स्टाफ लगाया गया है जो पूरी निगरानी कर रहा है।

किसान नेता मदन मोहन राजौर के द्वारा विकास की अनूठी पहल, यूडीएच मंत्री के निर्देश पर डीएलबी निदेशक ने जिला कलक्टर से मांगी अभिशंषा रिपोर्ट

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। भारतीय किसान यूनियन प्रदेश प्रभारी मदन मोहन राजौर ने नगरीय विकास एवं स्वायत शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा से शासन सचिवालय जयपुर में मुलाकात कर नादौती बालघाट सहित गुढ़ाचंदरजी ग्राम पंचायतों का पुनर्गठन कर नगरपालिका बनाने की मांग की थी। मदन मोहन राजौर ने बताया की विधानसभा क्षेत्र टोडाभीम में नगरपालिका का अभाव है ग्राम पंचायत बालघाट नादौती एवं गुढ़ाचंदरजी आबादी के हिसाब से नगरपालिका बनाने के सभी नियम पूरे करती है। ऐसे में तीनो ग्राम पंचायतों को नगरपालिका का दर्ज़ा दिया जाए। उन्होंने बताया की इन पंचायतों को यदि नगरपालिका का दर्ज़ा दे दिया जाए तो यहां सड़को एवं बाजारों में विकास कार्य होंगे। व्यापारिक विकास को नई दिशा मिलेगी।वही आमजन को कई प्रकार की सुविधाए भी मिल सकेंगी। मंत्री महोदय के निर्देश पर डीएलबी डायरेक्टर एवं संयुक्त सचिव द्वारा जिला कलेक्टर करौली एवं गंगापुरसिटी को पत्र लिखकर विभाग को अभिशंषा रिपोर्ट भिजवाने के आदेश प्रदान किए।

जालौर कलेक्ट पर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन , नारेबाजी की

अघोषित बिजली कटौती का किया विरोध, बोले- भाजपा सरकार पेयजल उपलब्ध करवाने में भी विफल

■ संजीवनी टुडे

जालोर। जालौर कलेक्ट्रेट पर शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से प्रदर्शन किया गया।राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी जालोर की और से भाजपा सरकार द्वारा अघोषित बिजली कटौती करने, बिजली दरों में वृद्धि करने,पेयजल उपलब्ध करवाने में विफल रहने तथा प्रदेश में बेपटरी कानून व्यवस्था के कारण फैली अराजकता के विरोध में विफल रहने का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की।जिलाध्यक्ष भंवरलाल मेघवाल के नेतृव में कांग्रेसजनों द्वारा विरोध प्रदर्शन कर विरोध जताया गया । जिलाध्यक्ष भवरलाल मेघवाल ने बताया कि राजस्थान प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के सत्ता में आने के पश्चात प्रदेश की आमजनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने में विफल रही है। राज्य में भीषण गर्मी के बावजूद सरकार द्वारा बिजली की आपूर्ति बाधित रही है तथा गावो एवम छोटे कस्बो में अघोषित रूप से 4 से 18 धण्टे तक कि बिजली कटौती की जा रही है जिस कारण प्रदेशवासियों को कष्ट का सामना करना

पड़ रहा है तथा अब राजस्थान की भाजपा सरकार ने बिजली के बिलों में फिक्सड चार्जेज की दर को बढ़ा कर आमजन पर आर्थिक बोझ डालने का जनविरोधी निर्णय लिया है।

प्रदेश में अनेक क्षेत्रों में पेयजल संकट के बावजूद पानी की आपूर्ति करने में सरकार असफल रही है। प्रदेश में कानून व्यवस्था पूर्णतया चौपट हो गयी है,राजधानी सहित पूरे प्रदेश में महिलाओं के साथ दुष्कर्म, हत्या,अपहरण, चेन स्नेचिंग जैसे गंभीर अपराध प्रदेश को शर्मसार कर रहे है तथा आमआदमी अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव नैन सिंह राजपुरोहित, आहोर कांग्रेस प्रत्याशी सरोज चौधरी, जालोर कांग्रेस प्रत्याशी रमिला मेघवाल, प्रदेश सचिव शहजाद अली, जिला प्रवक्ता योगेंद्र सिंह कुम्पावत, जालोर ब्लॉक अध्यक्ष भोमाराम मेघवाल, सायला ब्लॉक अध्यक्ष सवाई सिंह चंपावत, नेता प्रतिपक्ष बसंत सुथार,नगराध्यक्ष मुमताज अली, मण्डल अध्यक्ष रमेश सोलंकी,मंडल अध्यक्ष पीर सिंह मालपुरा,ईशराराम विश्नोई, जिला महासचिव कैलाश शर्मा, देवाराम सांखला,आम सिंह परिहार, युवा प्रदेश सचिव लक्ष्मण सिंह सांखला, युवा जिलाध्यक्ष दीपक थांवला, भरत मेघवाल, पार्षद मिश्रीमल गहलोत, अब्दुल रज्जाक,शीला चौधरी, सुरेश मेघवाल, ब्लॉक महासचिव महेंद्र सोनगरा, अनिल पंडत, अयूब शेख, जोगाराम सरगरा, पारस परिहार, सोनाराम मेघवाल, ओमप्रकाश चौधरी, कपूराराम परिहार, सुरेश थांवला, असलम काजी सहित तमाम कांग्रेसजन उपस्थित थे।

सरिया चोरी के 3 आरोपियों को किया गिरफ्तार: कांकरोली पुलिस ने मामले का किया खुलासा

■ संजीवनी टुडे

गिरोह बनाकर करते थे वारदात

राजसमन्द। राजसमंद में कांकरोली पुलिस ने लोहे के सरिए चोरी के मामले में चोर गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। कांकरोली पुलिस थाना इंचार्ज हनवंत सिंह सोढा के अनुसार 27 जुलाई को थाना सर्कल में ब्रोडगेज रेलवे लाईन में ब्रिज में काम आने वाले 400 किलोग्राम लोहे के सरिया आत चोर ने चोरी कर लिए। 29 जुलाई को आरिफ (40) पिता फकीर मोहम्मद कुरेशी निवासी दरयायी पार्क परबडा थाना हिम्मत नगर जिला साबरकांटा गुजरात ने रिपोर्ट देकर मामला दर्ज कराया था। इसके बाद कांकरोली पुलिस ने विशेष टीम का गठन किया। पुलिस की जांच में सामने आया कि नाथद्वारा से सरदार गढ़ के बिच रेलवे लाइन बिछाने का कार्य चल रहा है। जिसमें अलग अलग खण्ड में अलग अलग ठेकेदारों के श्रमिक रेलवे लाइन बिछाने का काम कर रहे हैं। जिसमें एचएमके कम्पनी के दो कर्मचारियों की गतिविधियां संदिग्ध पाई गई जिन पर निगरानी रखी गई। पुलिस ने दोनों कर्मचारी से जब पूछताछ की तो दोनों ने लोहे के सरियों चोरी करना कबूल किया। पुलिस ने दोनो आरोपियों राधेश्याम (23) पुत्र छिददी चौधरी निवासी वसई डहरा मई लोहागढ पुलिस ने दोनो आरोपियों राधेश्याम (23) पुत्र छिददी चौधरी निवासी

वसई डहरा मई लोहागढ जिला डीग व रमेश चौधरी (25) पुत्र भुखराम चौधरी निवासी उदरोमोणियो की ढाणी पुनियो की तला थाना गिडा जिला बालोतरा को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने बताया कि चोरी के सरिए भैरु लाल (28) पुत्र मांगी लाल लौहार निवासी नोगांमा बेचना बताया जिस पर पुलिस ने भेरु लाल को भी गिरफ्तार किया।

जनसुनवाई से पहले आकस्मिक निरीक्षण: कलेक्टर ने ग्रामीणों की समस्याएं सुन अधिकारियों से कहा- शिकायतों के प्रति गंभीर रहें

■ संजीवनी टुडे

राजसमंद। राजसमंद में कलेक्टर डॉ भंवर लाल ने ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई के दौरान गुंजोल पंचायत का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने गुंजोल गांव में आयोजित जनसुनवाई में भाग लिया और ग्रामीणों की समस्याओं को राजसमंद में कलेक्टर डॉ भंवर लाल ने ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई के दौरान गुंजोल पंचायत का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने गुंजोल गांव में आयोजित जनसुनवाई में भाग लिया और ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। भंवर लाल ने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर इस प्रकार की जनसुनवाई का आयोजन ग्रामीणों की समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए महत्वपूर्ण है। हमारा उद्देश्य है कि सभी नागरिकों को त्वरित और प्रभावी सेवाएं मिलें। ग्रामीणों ने जल, सड़क, बिजली, स्वास्थ्य और शिक्षा से संबंधित विभिन्न समस्याओं को उठाया,

जिनके समाधान के लिए जिला कलेक्टर ने उचित निर्देश जारी किए। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि वे समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें ताकि ग्रामीणों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। भंवर लाल ने जनसुनवाई में कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि समस्याओं को गंभीरता से लें और उनके समाधान के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करें।

8 को उपखंड एवं 16 को होगी जिला स्तरीय जनसुनवाई

ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई संपन्न होने के बाद अब उपखंड स्तर पर जनसुनवाई आठ अगस्त एवं जिला स्तर पर जनसुनवाई 16 अगस्त को होगी।

खबरें फटाफट

विभिन्न पर्वों पर कानून व्यवस्था के लिए कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त

■ संजीवनी टुडे

जालोर। जिला मजिस्ट्रेट पूजा पार्थ ने 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस, 19 अगस्त को रक्षाबंधन, 25 अगस्त को थदड़ी व 26 अगस्त को श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर कानून व्यवस्था एवं लोक शान्ति बनाये रखने के लिए उपखण्ड मजिस्ट्रेटों को कार्यपालक एवं तहसीलदारों को सहायक कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। सम्पूर्ण जिले में कानून व्यवस्था के प्रभारी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट जालोर होंगे। आदेशानुसार जिले के जालोर, सायला, आहोर, भीनमाल व जसवंतपुरा उपखण्ड के लिए संबंधित उपखंड मजिस्ट्रेट कार्यपालक एवं संबंधित तहसीलदार सहायक कार्यपालक मजिस्ट्रेट होंगे। उक्त मजिस्ट्रेट अपने सम्पूर्ण कार्य क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाये रखेंगे एवं कोई भी कार्यपालक व सहायक कार्यपालक मजिस्ट्रेट उक्त पर्वों पर अपना कार्यक्षेत्र नहीं छोड़ेंगे तथा अवकाश पर नहीं जायेंगे। वे अपने-अपने क्षेत्र में कानून व्यवस्था आदि के बारे में पुलिस अधिकारियों से विचार-विमर्श कर कानून व्यवस्था एवं लोक-शांति संबंधी सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित करेंगें। कानून व्यवस्था के प्रभारी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट जालोर होंगे।

डामोर ने हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड डूंगरपुर के मुख्य जिला आयुक्त पद का पदभार संभाला

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड जिला मुख्यालय डूंगरपुर के मुख्य जिला आयुक्त पद का पदभार मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी डूंगरपुर, रणछोड़ डामोर ने गुरुवार को ग्रहण किया। हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड के संभाग आयुक्त गोपाल मेहता मेनारिया ने बताया कि हिंदुस्तान स्काउट के डूंगरपुर जिला प्रभारी शिवराज प्रजापत, ट्रेनिंग काउंसलर कमल यादव ने को हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड का स्कार्फ पहनाकर रणछोड़ डामोर मुख्य जिला आयुक्त का सम्मान किया एवम शिष्टाचार भेंट के दौरान स्काउट गाइड गतिविधियों को आगे बढ़ाने की चर्चा की। इस अवसर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से पी.ए रविंद्र पंड्या ,सहायक निदेशक दीपक दीक्षित ,अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी गहरी लाल , एम आई एस निलेश आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

जानियों की बस्ती से गुल्ले की बेरी जाने वाली सड़क क्षतिग्रस्त, हादसे को दे रही न्योता

■ संजीवनी टुडे

धनाऊ। पंचायत समिति धनाऊ की ग्राम पंचायत जानियो की बस्ती से गुल्ले की बेरी जाने वाली सड़क करीब दो साल पहले बनी सड़क ठेकेदार ने घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग किया था इसे सड़क पर जगह जगह बड़े बड़े खड्डे हो गए वाहन चालक गाड़ी भी नही निकाल सकते हे भय के कारण कही रोड ढह न जाए बड़े बड़े खड्डे हो गए हे जगह जगह इसे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता ग्रामीणों ने बताया की इस रोड साधन नही आने से काफी परेशानी होती है समय रहते सड़क नही बनी तो हो सकता और भी बड़ा हादसा

राजस्थान भाजपा के नए प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ का डॉ श्यामसुंदर मीना ने किया स्वागत

■ संजीवनी टुडे

दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के नए प्रदेशाध्यक्ष राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ को

बनाए जाने पर उनके दिल्ली आवास पर भाजपा नेता डॉ श्यामसुंदर मीना ने साफा पहनाकर और पार्टी के दुपट्टा से उनका स्वागत किया। डॉ मीना ने प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना करते हुए भगवान श्री कृष्ण जी द्वारा रचित महान ग्रंथ गीता की प्रति भी भेंट की।

जालोर जिला कलक्टर ने वीसी के माध्यम से उपखण्ड अधिकारियों के साथ की बैठक

मौसम विभाग द्वारा जिले में 4 व 5 अगस्त को भारी वर्षा की चेतावनी को लेकर अधिकारियों को अलर्ट रहने के दिए निर्देश

■ संजीवनी टुडे

जालोर। जिला कलक्टर पूजा पार्थ ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के समस्त उपखण्ड अधिकारियों व पुलिस अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में मानसून के दौरान भारी वर्षा से होने वाली परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। वीसी में जिला कलक्टर पूजा पार्थ ने मौसम विभाग द्वारा प्राप्त सूचना के अनुसार जिले में 4 व 5 अगस्त को भारी बरसात की चेतावनी के चलते उपखण्ड अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे अपने क्षेत्र से प्रवाहित होने वाली सभी नदियों के बहाव क्षेत्र में जितनी भी रपट या पुलिया आती हैं, उन पर गेज मीटर एवं एवं सावधानी बोर्ड लगे हाने के संबंध में

तत्काल मौका मुआयना करने के साथ ही तेज बहाव होने की स्थिति में वहाँ पर पुलिस कॉनिस्टेबल की नियुक्ति सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने पूर्व तैयारियाँ सुनिश्चित करते हुए आवश्यक संसाधन यथा-टॉर्च लाईट, मड पंप, रस्सी, ड्रेगन लाईट आदि की व्यवस्था किये जाने की बात कही। जिला कलक्टर ने पटवारियों को मुख्यालय नहीं छोड़ने, आपात स्थिति से निपटने के लिए शेल्टर होम व जरूरत पड़ने पर फूड पैकेट्स के इंतजाम किये जाने की बात कही। उन्होंने डूब क्षेत्र व जल भराव की स्थिति पर विशेष निगरानी रखने तथा आमजन को तेज बहाव व नदी-नालों से दूर रहने के लिए जागरूक किये जाने को लेकर निर्देशित किया। उन्होंने उपखण्ड अधिकारियों को आपात स्थिति में एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस व स्थानीय तैराकों की मदद लेने की बात कही। उन्होंने ई-गिरदावरी कार्य की प्रगति के संबंध में जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए। जिला पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द्र यादव ने सभी अधिकारियों को पूर्ण सतर्कता व टीम भावना से कार्य कर आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर शिवचरण मीना, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जवाहर चौधरी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामेश्वरलाल मेघवाल, आहोर व जालोर के उपखण्ड अधिकारी शंकरलाल मीना, उप पुलिस अधीक्षक अजीतपाल व गौतम जैन, जालोर तहसीलदार लक्ष्मी यादव सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे तथा वीसी के माध्यम से समस्त उपखण्ड अधिकारी व पुलिस अधिकारी जुड़े रहे।

सरकारी जमीन पर अतिक्रमण को लेकर विधायक जितेंद्र गोठवाल ने सदन में विशेष उल्लेख प्रस्ताव से उठाई आवाज

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। भाजपा महामंत्री और विधायक जितेंद्र गोठवाल ने खंडार विधानसभा में अवैध अतिक्रमण मामले को विशेष उल्लेख प्रस्ताव के माध्यम से विधानसभा में उठाया है और अतिक्रमियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। भाजपा विधायक जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि खण्डार विधानसभा के छाण और जेतपुर गांव में पिछली सरकार के राज में भूमाफियाओं को संरक्षण दिया गया। इसके चलते वहां हजारों बीघा जमीन पर एक समुदाय विशेष के लोगों ने अवैध अतिक्रमण कर लिया। भाजपा विधायक जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि खण्डार के बोथल रोड पर छाण और जेतपुर में बेशकिमती जमीनों पर एक समुदाय विशेष के लोगों के साथ स्थानीय अधिकारियों की भी मिलीभगत से अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है। प्रदेश की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के राज में कुछ नेताओं के संरक्षण की बदौलत समुदाय विशेष के लोगों के हौंसले इतने बुलंद हो गए कि अतिक्रमण मुक्त करवाने वाले अधिकारियों के साथ कई दफा मारपीट की गई। गोठवाल ने सदन में मांग की है कि खण्डार विधानसभा क्षेत्र में किए गए अतिक्रमण को हटाए जाएं और अतिक्रमण करवाने में शामिल दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। वहीं इस मामले की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया जाए। कमेटी की जांच में कई आला अधिकारियों के साथ नेताओं के नाम उजागर होंगे।

भारतीय रसायन विज्ञानं के जनक आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे की जयंती मनाई

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। विज्ञान भारती - उदयपुर इकाई (चित्तौड़ प्रांत) एवं पीएम श्री गवर्नमेंट फ़तेह सीनियर सेकेंडरी स्कूल, उदयपुर के सयुक्त तत्वाधान में भारतीय रसायन विज्ञानं के जनक आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे की जयंती मनाई गयी। कार्यकम की अध्यक्षता डॉ. अमित गुप्ता एवं डॉ. चेतन पानेरी द्वारा की गयी। इस उपलक्ष में आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे की जीवनी पर विभिन्न वक्ताओं द्वारा विचार व्यक्त किये गए। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. लोकेश अग्रवाल, सहायक आचार्य, मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा बताया गया की आचार्य रे का जीवन एक शिक्षक, एक वैज्ञानिक एवं स्वतंत्रता सेनानी के रूप में भारत को समर्पित रहा है। आचार्य रे द्वारा ''द हिन्दू केमिस्ट्री'' जैसी पुस्तक लिखी गयी जो भारत की प्राचीन उत्कृष्ट विज्ञानं शोध को दर्शाती है। डॉ. कमल सिंह राठौड़, बी एन विश्वविद्यालय द्वारा बताया गया कि आचार्य रे द्वारा किस तरह से विपरीत परिस्तिथियों के

अंदर बंगाल फार्मास्यूटिकल की स्थापना की गयी और आज भारत देश फार्म क्षेत्र में विश्व में अग्रणी है। डॉ. मोहित गोखरू द्वारा विद्यार्थिंयों को मोबाइल कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी को सरल एवं सहज भाषा में समझाया गया। डॉ. हरीश द्वारा विद्यार्थिंयों को विज्ञानं के क्षेत्र में कैरियर की सम्भावनाओ के बारे में जानकारी दी गयी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कुलदीप शर्मा तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ अचर्ना राव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ जीतेन्द्र सिंह राठौड़, मीरा कन्या महाविद्यालय, उदयपुर एवं डॉ. मोहन सिंह राठौड़, बी एन विश्वविद्यालय, उदयपुर भी उपस्थित रहे। इस कार्यकर्म में विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं लगभग 200 विद्यार्थिंयों ने भाग लिया।

जनजाति किसानों को सब्जी बीजों के मिनिकिट वितरीत किए

■ संजीवनी टुडे

सलूंबर। जाम्बुडा व ब्लॉक सेमारी में जनजाति किसानों को सब्जी फसलों के बीज मिनिकिट व साथ ही जैविक कीट निःशुल्क वितरित करवाये गये। उप निदेशक उद्यान विभाग पुरुषोत्तम लाल भट्ट ने बताया कि जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग की तरफ से वित्त पोषित इस कार्यक्रम के तहत जिला सलूम्बर को 6000 सब्जी मिनीकिट जनजाति कितानों में पात्र कृषकों को वितरित किए जा रहे हैं साथ ही जैविक कीट भी दिये जा रहे है साथ ही कार्यक्रम के तहत लोकी,टमाटर,बैंगन, मिर्च व भिण्डी की उन्नत किस्मों के बीज पेकेट है जो कि 500 स्क्वायर मीटर क्षेत्र हेतू पर्याप्त है उन्नत एफ- 1 सेक्टर किस्म के बीज का उपयोग करने से सब्जियों की पैदावार अच्छी होंगी और बीज की अच्छी उपज समता से जनजाति किसान अधिक पैदावार लेने की तरफ प्रेरित होंगे। बीज

पैकेट के साथ ही जैविक कीट वितरित होंगे जिसमें माइक्रोराईजा, एल पी के कन्सोरटीया पीएसबी कल्चर शामिल है जैविक किट के खेत में प्रयोग से लाभदायक जीवाणुओं व माइक्रोराईजा कवक से पोषण तत्वों की उपलब्धता बहुत अच्छी होगी जिससे पैदावार मे बढोतरी होगी।

किसानों को सब्जी बीज व जैविक कीट वितरण के साथ ही फसल प्रशिक्षण भी दिया गया। सहायक कृषि अधिकारी रामलाल द्वारा फसलों के उत्पादन की जानकारी दी । उद्यान पर्यवेक्षक भीमाराम द्वारा सब्जी बीजों की नर्सरी तैयार करने की जानकारी दी कृषि पर्यवेक्षक धारीवाल द्वारा कार्यक्रम में पंजीकरण कर सबका आभार ज्ञापित किया। मौके पर सरपंच जाम्बुड़ा चेतन लाल मीणा द्वारा आभार जताया व प्रशिक्षण व आदान का पूर्ण उपयोग कर अच्छे परिणाम दिखाने का विश्वास व्यक्त किया गया इस दौरान मौके पर 60-70 जनजाति कृषक महिला व पुरुष मौके पर उपस्थित रहे।

सघन पौधारोपण सप्ताह के तहत रंगोली व पौधारोपण गतिविधि का हुआ आयोजन

■ संजीवनी टुडे

जालोर। मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान ''हरियालो-राजस्थान'' (एक पेड़ मां के नाम) के तहत 1 से 8 अगस्त तक चलाये जा रहे सघन पौधारोपण सप्ताह के तहत दूसरे दिन शुक्रवार को जिलेभर में रंगोली व पौधारोपण गतिविधि का आयोजन किया गया। सघन पौधारोपण के तहत शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर नगर परिषद जालोर द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर, न्यायालय परिसर व बापू बाल मंदिर में वृक्षारोपण थीम पर रंगोली बनाकर ''पेड़ बचाओ-जीवन बचाओ'', वृक्ष लगाओ-हरियाली लाओ'' व ''जहाँ हरियाली-वहाँ खुशहाली'' आदि संदेशों के माध्यम से अधिक से अधिक पौधारोपण लगाने के लिए जागरूक किया गया। इसी प्रकार नगर परिषद द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण किया गया। मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान के तहत ''हरियालो-राजस्थान'' (एक पेड़ मां के नाम अभियान) के सघन पौधारोपण सप्ताह के अंतर्गत जिला कलक्टर के निर्देशानुसार आहोर तहसील के सेदरियां कुंपावतान के राशन डीलर मैसर्स जीवनसिंह ने द्वारा आम, चीकू, जामुन, अमरूद, नींबू व नारियल सहित विभिन्न प्रकार के कुल 239 पौधे लगाए गए।

ई गवर्नेंस एजेण्डा की पालना की जाये: जिला कलेक्टर

■ संजीवनी टुडे

सलूंबर। जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कक्ष में ई गवर्नेंस सोसायटी की प्रथम बैठक का आयोजन किया गया। सुचना प्रोद्योगिकी के उप निदेशक जीवन राम मीणा ने ई गवर्नेंस की रूपरेखा विस्तार से प्रस्तुत की और सदस्यो और कमेटी की जानकारी प्रदान की। जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू ने बैठक के दौरान कहा की ई गवर्नेंस एजेंडा की पालना सुनिश्चित की जाए और समय समय बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए जिला कलक्टर ने बताया कि ई-गवर्नेन्स सोसायटी, सरकार की ओर से जिलों में ई-मित्र योजना के कार्यान्वयन और संचालन के समन्वय स्थापित करेगी और ई-गवर्नेन्स सोसाइटी जिले के सभी कियोस्क के समुचित संचालन के लिए नियमित रूप से निरीक्षण करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि सभी उपलब्ध सेवाएं बिना किसी बाधा के कियोस्क के माध्यम से दी जा रही हैं और जिला ई-गवर्नेन्स सोसायटी द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में ई-गवर्नेन्स, ई-कामर्स एवं ई-एजुकेशन, ई-हेल्थ व ई-नेटवर्किंग के नवीन प्रयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही जिला ई-गवर्नेन्स सोसायटी द्वारा कृषि, स्वास्थ्य, व्यापार एवं वाणिज्य शासकीय क्रियाकलापों एवं योजनाओं, सामाजिक पहलुओं आदि पर सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से सेवाएं प्रदान करने के लिए निर्देशित किया तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सूचना प्रौद्योगिकी के सामान्यजन द्वारा उपयोग किये जाने की दिशा में ई-मित्र परियोजना एवं जनोपयोगी सूचना प्रौद्योगिकी का प्रचार-प्रसार करने एवं सूचना प्रौद्योगिकी को लेकर जनजाग्रति हेतु आवश्यक प्रसार सामाग्री तैयार करने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक के दौरान कार्यकारिणी का गठन किया गया अध्यक्ष जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू,उपाध्यक्ष अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिनेश कुमार पाटीदार, सदस्य सचिव उप निदेशक सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग जीवन राम मीणा, कोषाध्यक्ष पार्थ शर्मा कोषाधिकारी, समाज कल्याण विभाग हेमन्त खटीक, जिला शिक्षा अधिकारी पीयूष जैन, सीएमएचओ डॉ जेपी बुनकर इत्यादि। बैठक के दौरान उप निदेशक जीवन राम मीणा, समाज कल्याण अधिकारी हेमन्त खटीक, आयुक्त गणपत लाल खटीक, अधीक्षण अभियन्ता राम निवास मीणा, सहायक रजिस्ट्रार मदन लाल, सीएमएचओ डॉ जेपी बुनकर, पीआरओ पुष्पक मीणा,खाद्य विभाग दीपक कुल्हार,पीएचईडी विवेक कछार,डीईओ पीयूष जैन सहित अन्य उपस्थित रहे।

ग्रामीणों को मिल रहा योजनाओं का लाभ

ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच रही पहल योजना 1 लाख से अधिक लाभार्थी हुऐ लाभान्वित

■ संजीवनी टुडे

सलूंबर। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू का नवाचार पहल योजना शिविर के माध्यम से राज्य और केन्द्र सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं एवं इनके प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी आमजन तक पहुंचाने एवं आमजन को योजनाओं का लाभ दिलवाने के उद्देश्य से पहल योजना'' के तहत शुक्रवार को जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में शिविरों के माध्यम से 23 योजनाओं की जानकारी दी गई और योजनाओ से लाभान्वित किया गया। पहल योजना शिविर शुक्रवार को सलूंबर जिले के विभिन्न ग्राम पंचायत बाणाकला, धावड़ी, भोराई, डगार,नई झर, मोरिल्ला ग्राम पंचायत में शिविर का आयोजन किया गया और केन्द्र व राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं के प्रति जन जागरूकता की और वंचित पात्रों को योजनाओं से जोड़ने के लिए जागरूक किया गया।जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशन में चल रही पहल योजना शिविर में विभिन्न 23 योजनाओं से लाभार्थियो को अब तक

आधार कार्ड में 2378,जनआधार 2908, बिजली 479,बैंक खाता 11275,पीएम जीवन सुरक्षा बीमा योजना 27173,पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना 13757,अटल पेंशन योजना 4245, कैटल शेड योजना 1377,कृषक परिवार 5130,म्युटेशन 1747, उज्ज्वला योजना 0,विश्वकर्मा योजना 2863,श्रम योगी मानधन योजना 2212,ई श्रम पंजिकरण 15242, विशेष योग्यजन 656,रोडवेज पास 857,जन्म प्रमाण पत्र 4369,मृत्यु प्रमाण पत्र 1591, स्कॉलरशिप(निर्माण श्रमिक शिक्षा व कौशल विकास 3607, पेंशन 777,पालनहार 195,कन्यादान 22,विवाह पंजीयन 1092 इत्यादि योजनाओ में अब तक कुल 1लाख से अधिक लाभार्थियों को योजनाओ से जोड़ा गया। आज यहां आयोजित होंगे शिविरऽ पंचायत समिति सलूम्बर की ग्राम पंचायत अदकालिया,पंचायत समिति झल्लारा की ग्राम पंचायत अमलवा में शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

हिंसा से विश्व की किसी भी समस्या का समाधान नही: जिनेन्द्र मुनि मसा

■ संजीवनी टुडे

सायरा। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वाधान में शुक्रवार को धर्मसभा में जिनेन्द्र मुनि मसा ने कहा कि विश्व में हिंसा बढ़ रही है। भगवान महावीर ने मत मारो का संदेश भारत को ही नही पूरे विश्व को दिया था। महावीर ने अहिंसा व्रत का पूर्णरूपेण पालन करते हुए कहा कि स्वयं हिंसा न करना ही अहिंसा का निवृति रूप है। विश्व में आतंकवाद चरम पर है। आज एक दूसरे की हिंसा करने में कोई संकोच नही करते है । अहिंसा परमो धर्म पर आस्था रखने वाला जैन समाज यह कभी नही स्वीकार करेगा कि किसी निर्दोष व्यक्ति या निर्दोष प्राणी की जान ले ली जाएं। संत ने कहा कि हिंसा से किसी भी समस्या का समाधान नही हैं , हिंसा से हिंसा बढ़ती है , मन मे उठने वाले भाव भी भाव हिंसा है।अतः मुनि ने भार पूर्वक कहा कि मनसा वाचा कर्मणा से भी हिंसात्मक प्रवृति का कोई दोष नही लगे,उसका पालन हर धर्मानुरागी भाई बहनों को करना हैं। मुनि ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति

अपनी सुख साधनों के लिए अनेक प्रकार की अज्ञान युक्त प्रवृति करता है परन्तु जिस प्रकार खून से सना कपडा खून से साफ नही किया जाता हैं उसी प्रकार इन प्रवृत्तियों से सुख के बदले विशेष दुःखी होकर अन्य जीवों के प्राणों की बात करने से भी निमित बनते है। मुनि ने कहा कि दियासलाई दुसरो को जलाने जाती है किंतु प्रथम स्वयं को ही जलना पड़ता है।महाश्रमण जिनेन्द्रमुनि ने कहा कि उसी प्रकार जीवो की हिंसा का ख्याल न रखकर अपने सुख के लिए जो अनर्गल प्रवृति करते है वे वेरानुबन्द करके स्वयं दुःखी होते है।भाव व द्रव्य हिंसा से बचते हुए आत्म कल्याण की भावना रखनी चाहिए।रीतेश मुनि ने कहा कि क्रिया से कर्म जुड़ा हुआ है।कर्म का फल विनाशी है।विनाशी के योग से विनाश ही होता है।उपलब्धि कुछ नही होती है।संत ने कहा विनाशी के त्याग से ही विनाश का विनाश सम्भव है।जिससे स्वयं विकास होता है।प्रभातमुनि ने कहा कि भोग प्रवृति के त्याग की कामना ममता अहंभाव की प्रवृति होती है।कामना निवृति से अशांति मिलती है।सुख भोग से सुख के समान प्रति क्षण क्षीण नही होता है अतः वह क्षणिक सुख नही होता है।प्रवीण मुनि मसा ने मंगलाचरण किया।इस अवसर पर जयसमंद और सलूम्बर से श्रद्धालुओं का आगमन हुआ।दर्शन लाभ लिया और संतो के दर्शन कर सुख पूछते हुए अभिवादन किया।

भामाशाह ने पौधा रोपण के लिए विद्यालय में किया 1 लाख रु. का दान

■ संजीवनी टुडे

बांसडा। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अमरपुरा खालसा में हरियालो राजस्थान कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण के लिए भामाशाह ने किया 1 लाख रु.का दान । राउमावि अमरपुरा खालसा के वरिष्ठ अध्यापक गोवर्धन सिंह राठौड़ द्वारा प्रेरित करने पर भामाशाह शंकर लाल जाट धर्मपत्नी चतरी बाई के सुपुत्र मनोहर लाल जाट(भारतीय सेना से सेवानिवृत्त) एवं राजेंद्र जाट ने विद्यालय को पौधारोपण के लिए 1 लाख रु का योगदान दिया गया। जिससे 50-50 किलो वजनी एवं 12-15 फीट लंबे विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए। भामाशाह सम्मान हेतु विद्यालय में स्वागत कार्यक्रम रखा गया एवं अतिथियों का स्वागत ट्रष्ए बैंड द्वारा एवं विद्यार्थियों व विद्यालय स्टाफ द्वारा पुष्प वर्षा के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक भींडर के मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रमेश चंद्र खटीक, राउमावि अमरपुरा खालसा प्रधानाचार्य एवं पदेन पी ई ई ओ राजेंद्र कुमार चौबीसा, उप प्रधानाचार्य भंवर लाल मेघवाल, विधायक प्रतिनिधि विपिन गिरी गोस्वामी, सरपंच गोपाल जणवा, वार्डपंच पप्पू मेघवाल आदि उपस्थित रहे। विद्यालय में अतिथियों के स्वागत हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता सचदेव यादव एवं व्याख्याता ममता दवे द्वारा किया गया।सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी अंजु शर्मा, किरण शर्मा, मंजू लोहार द्वारा बालिकाओं की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की तैयारी करवाई गई। वरिष्ठ अध्यापक नाना लाल मेनारिया द्वारा भामाशाह के सहयोग पर वृहद स्तर पर आयोजित पौधा रोपण को वंशारोपण नाम दिया गया। विद्यालय के पौधा रोपण प्रभारी गोवर्धन सिंह राठौड़ एवं अन्य सहयोगी नरेश चंद्र धोबी, शेर सिंह राठौड़, शिव नारायण सालवी, रोशन लाल , महेश मेनारिया एवं उमेश चंद आदि रहे।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

स्वदेशी हथियारों के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ा भारत

डीआरडीओ की एडवांस्ड सिस्टम्स लेबोरेटरी द्वारा तैयार यह मिसाइल दो हजार किलोमीटर तक मार करने की क्षमता रखती है। इस मिसाइल को इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत बनाया गया है। सेना प्रमुख बिपिन रावत ने कुछ ही दिनों पहले सशस्त्र बलों में स्वदेशी प्रौद्योगिकी को बड़े स्तर पर शामिल करने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा था कि भारत अगला युद्ध देश में ही विकसित संसाधनों के साथ लड़ेगा और जीतेगा। स्वदेशी हथियारों के निर्माण में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा था कि भारत हथियारों तथा गोला-बारूद के सबसे बड़े आयातकों में से एक है लेकिन पिछले कुछ सालों से स्थिति बदल रही है। दरअसल भारत अब स्वदेशी हथियारों के निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सेना प्रमुख के अनुसार हमें हमारे शस्त्रों का निर्माण अब भविष्य के युद्धों की रूपरेखा की ओर देखते हुए करना चाहिए क्योंकि यह जरूरी नहीं कि भविष्य के युद्ध आमने-सामने से ही लड़े जाएं। इसलिए हमें साइबर क्षेत्र, अंतरिक्ष, लेजर, इलैक्ट्रॉनिक युद्ध तथा रोबोटिक्स के विकास के साथ-साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता की ओर भी देखना होगा। स्वदेशीकरण पर जोर देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा भी कुछ दिनों पहले डीआरडीओ के वैज्ञानिकों से ऐसी प्रणाली स्थापित करने का आग्रह किया गया था, जहां सभी रक्षा उपकरणों का निर्माण हो। उनका कहना था कि कई पाबंदियों और सीमित क्षमताओं के बावजूद डीआरडीओ भारतीय सेना की ताकत को बढ़ाने के लिए कई प्रणालियां, उत्पाद तथा प्रौद्योगिकियां विकसित करने में सफल रहा है और उसने देश को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से समृद्ध किया है।

पिछले दिनों भारतीय सेना ने ओडिशा के बालासोर तट से दुश्मन के दांत खट्टे करने वाली 'अग्नि-2' नामक जिस बैलिस्टिक मिसाइल का पहली बार रात के समय परीक्षण किया, उसे भी डीआरडीओ ने ही विकसित किया है। इस मिसाइल को 16 नवम्बर की रात ओडिशा के एपीजे अब्दुल कलाम आईलैंड से छोड़ा गया और स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड द्वारा किया गया यह परीक्षण पूरी तरह सफल रहा। इस मिसाइल की जद में अब पाकिस्तान व चीन सहित दक्षिण एशिया के कई देश आ गए हैं। भारत ने इससे पहले इसी साल 6 फरवरी को स्वदेश निर्मित 'अग्नि-1' बैलिस्टिक मिसाइल का भी परीक्षण किया था। बालासोर स्थित अब्दुल कलाम द्वीप से ही इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज (आईटीआर) के लॉन्च पैड-4 से भारतीय सेना के सामरिक बल कमांड ने 700 किलोमीटर दूरी की मारक क्षमता वाली 'अग्नि-1' मिसाइल का सफल परीक्षण किया था। बैलिस्टिक मिसाइल तकनीकी दृष्टिकोण से उस प्रक्षेपास्त्र को कहा जाता है, जिसका प्रक्षेपण पथ सब-ऑर्बिटल बैलिस्टिक पथ होता है। इसका उपयोग किसी नाभिकीय अस्त्र को किसी पूर्व निर्धारित लक्ष्य पर दागने के लिए किया जाता है। यह मिसाइल अपने प्रक्षेपण के प्रारंभिक चरण में ही गाइड की जाती है, उसके बाद का पथ ऑर्बिटल मैकेनिक्स तथा बैलिस्टिक्स के सिद्धांतों से निर्धारित होता है। अभी तक इन्हें रासायनिक रॉकेट इंजनों द्वारा प्रोपेल किया जाता है। सबसे पहली बैलिस्टिक मिसाइल 'ए-4' थी, जिसे सामान्यतः वी-2 रॉकेट के नाम से जाना जाता है। वी-2 रॉकेट का पहला सफल परीक्षण 3 अक्तूबर 1942 को किया गया था और उसका प्रयोग 6 सितम्बर 1944 को फ्रांस के विरूद्ध तथा उसके दो ही दिन बाद लंदन पर किया गया था। उस मिसाइल को नाजी जर्मनी ने 1930 से 1940 के मध्य में रॉकेट साइंटिस्ट वेर्न्हेर वॉन ब्राउन की देखरेख में विकसित किया था। मई 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध के अंत तक वी-2 रॉकेट मिसाइल को तीन हजार से भी ज्यादा बार प्रयोग में लाया गया।

जहां तक भारत की स्वदेशी 'अग्नि द्वितीय' (अग्नि-2) मिसाइल की बात है तो यह भारत की मध्यवर्ती दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है, जो अत्याधुनिक तकनीक से बनी है। 21 मीटर लंबी और 1.3 मीटर चौड़ी यह मिसाइल परमाणु हथियारों से लैस होकर एक टन पैलोड ले जाने में सक्षम है और इसे तीन हजार किलोमीटर तक के दायरे में इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें तीन चरणों का प्रोपल्शन सिस्टम लगाया गया है। डीआरडीओ की एडवांस्ड सिस्टम्स लेबोरेटरी द्वारा तैयार यह मिसाइल दो हजार किलोमीटर तक मार करने की क्षमता रखती है। इस मिसाइल को इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत बनाया गया है। हालांकि अग्नि सीरीज मिसाइल का हिस्सा 'अग्नि-2' को वर्ष 2004 में ही सेना में शामिल कर लिया गया था और इसका परीक्षण पिछले साल ही कर लिया गया था।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

जिन पे तकिया था वही पत्ते हवा देने लगे

भारतवर्ष गत कई दशकों से पाक प्रायोजित आतंकवाद का शिकार रहा है। पाकिस्तान द्वारा प्रेषित आतंकियों ने जहाँ सैन्य ठिकानों,सैन्य कर्मियों उनके परिजनों पर किये हमले किये वहीँ मुंबई में रेलवे स्टेशन व ताज होटल जैसे सार्वजनिक स्थलों पर 26 /11 जैसा बड़ा हमला कर अपने दुस्साहस का परिचय देने की भी कोशिश की। परन्तु इनके अलावा पाकिस्तानी आतंकी आक़ाओं ने देश के रघुनाथ मंदिर,अक्षरधाम मंदिर,संकटमोचन मंदिर व अयोध्या जैसे कई प्रमुख पवित्र धर्मस्थलों को भी निशाना बनाया।राजनैतिक विश्लेषकों द्वारा उस समय यह लिखा व कहा जाता था कि पाकिस्तान व उसके पोषित गुर्गों द्वारा भारत में धर्मस्थलों को इसलिये निशाना बनाया जा रहा है ताकि भारत में हिन्दुओं व मुसलमानों के बीच नफ़रत की खाई गहरी की जा सके। देश के इन दोनों समुदायों के बीच नफ़रत व हिंसा का माहौल पैदा किया जा सके। परन्तु देश में साम्प्रदायिक शक्तियों की सक्रियता तथा पाकिस्तान के तमाम कुत्सित दुष्प्रयासों के बावजूद हमारे देश में साम्प्रदायिक एकता व सद्भाव पूरी मज़बूती से बरक़रार था। परन्तु गत एक दशक में हमारे देश में सांप्रदायिक शक्तियों का जिसतरह उभार हुआ है,ख़ास तौर पर ऐसे लोगों को जिसतरह सत्ता संरक्षण हासिल हो रहा है उन्हें देखकर तो साफ़ ज़ाहिर होता है कि अब हमारे ही देश में सक्रिय राजनैतिक संरक्षण प्राप्त असामाजिक तत्वों ने पाकिस्तानी आतंकी रणनीतिकारों का काम आसान कर दिया है। बल्कि यह भी कहा जा सकता है कि भारत में अनेक धर्मस्थलों पर बड़े से बड़ा हमला करने के बावजूद भारतीय समाज में जो विघटन पाकिस्तान तीन दशकों में पैदा नहीं कर सका वह काम भारत में ही रहने वाले 'स्वयंभू राष्ट्रवादियों' ने महज़ एक दशक के भीतर ही कर डाला।

पूरे देश में अब तक मॉब लिंचिंग की सैकड़ों घटनायें हो चुकी हैं। गौतस्करी के नाम पर सैकड़ों लोगों की जानें ली जा चुकी हैं। और नफ़रत की यह आग जो कि उम्मीद की जा रही थी कि शायद कोरोना काल के बाद क़ुदरत के क़हर से डर कर शायद ठंडी पड़ जायेगी परन्तु ठीक इसके विपरीत सत्ता व मीडिया के संयुक्त नेटवर्क ने इसे और भी प्रज्वलित कर दिया। कोरोना काल में मीडिया ने 'कोरोना जिहाद' नामक नई शब्दावली गढ़ डाली। लोगों के घरों के फ़्रिज व पतीलों में झाँक कर गौमांस ढूँढा जाने लगा। दो अलग अलग समुदायों के लड़कों व लड़कियों का साथ रहना,पढ़ना,घूमना पार्कों में बैठना सब मुश्किल हो गया। और नफ़रत की यह आग अब तो इतनी ज़्यादा फैल चुकी है कि इसने अनैतिकता की सभी हदें पार कर दी हैं। अब तो यदि हत्यारा व बलात्कारी बहुसंख्य समाज का है और पीड़ित परिवार या बलात्कार व हत्या की शिकार किशोरी अल्पसंख्यक समाज की तो यही सत्ता संरक्षित असामाजिक तत्वों की

विचार बिन्दु

पूरे देश में अब तक मॉब लिंचिंग की सैकड़ों घटनायें हो चुकी हैं। गौतस्करी के नाम पर सैकड़ों लोगों की जानें ली जा चुकी हैं। और नफ़रत की यह आग जो कि उम्मीद की जा रही थी कि शायद कोरोना काल के बाद क़ुदरत के क़हर से डर कर शायद ठंडी पड़ जायेगी परन्तु ठीक इसके विपरीत सत्ता व मीडिया के संयुक्त नेटवर्क ने इसे और भी प्रज्वलित कर दिया। कोरोना काल में मीडिया ने 'कोरोना जिहाद' नामक नई शब्दावली गढ़ डाली। लोगों के घरों के फ़्रिज व पतीलों में झाँक कर गौमांस ढूँढा जाने लगा।

तनवीर जाफ़री

भीड़ हत्यारे व बलात्कारी के पक्ष में खुल कर खड़ी हो जाती है। इतना ही नहीं इस भीड़ में मंत्री नेता सांसद व विधायक तक शरीक ही नहीं होते बल्कि ऐसी भीड़ का नेतृत्व करते हैं। कभी अल्पसंख्यक समाज के किसी रेहड़ी सब्ज़ी वाले की पिटाई कर दी जाती है तो कभी किसी मेहनतकश रिक्शे वाले को मारा जाता है। कभी किसी ग़रीब की दाढ़ी जबरन काट दी जाती है तो कभी जय श्री राम का नारा लगाने के लिये बाध्य किया जाता है। जिन्हें ख़ुद पूरा वंदे मातरम याद नहीं वह अल्पसंख्यकों को वन्देमातरम पढ़ने के लिये मजबूर करते हैं। और इंसानियत तो तब और भी शर्मसार होती है जब किसी मुस्लिम बच्चे को कई हट्टे कट्टे लोगों द्वारा मिलकर सिर्फ़ इस बहाने पीटा जाता है कि उसने मंदिर के बाहर लगे सार्वजनिक वाटर कूलर से अपनी प्यास बुझाने के लिये पानी क्यों पी लिया ? शायद इन 'राष्ट्रवादियों' को भाई कन्हैया सिंह जी का वह मानवता पूर्ण मार्मिक इतिहास पता नहीं जबकि वह मैदान-ए-जंग में अपने दुश्मनों के घायल सैनिकों को भी पानी पिला कर मानवता की मिसाल पेश करते थे।

देश की एकता को बाधित करने वाले इन तत्वों को तथा इन्हें प्रोत्साहित करने व उकसाने वाले नेताओं को जिस प्रकार 'पदोन्नति' दी जा रही है उससे भी सन्देश साफ़ है कि असामाजिक तत्व जो चाहे करें उनका सरकार या क़ानून अथवा प्रशासन कुछ नहीं बिगाड़ने वाला। इसीलिये अब इसतरह की घटनायें लुक छुप कर नहीं की जातीं बल्कि पूरे योजनाबद्ध तरीक़ेसे होती हैं। किसी ऐसी हिंसक घटना को अंजाम देने से पहले बाक़ायदा इसकी वीडीओ बनाई जाती है। और ऐसी हिंसा पूर्ण वीडीओज़ को सोशल मीडिया पर अपलोड कर उन्हें वायरल कराया जाता है। उसके बाद यही अपराधपूर्ण वीडीओ देशवासियों को धर्म के आधार पर विभाजित करने व समाज में फूट डालने का सबब बनती हैं। नतीजतन देश के किसी दूसरे क्षेत्र से कुछ ही दिन बाद इसी तरह की एक और घटना की ख़बर आ जाती है। पिछले दिनों मध्य प्रदेश के इंदौर में एक अल्पसंख्यक समुदाय के चूड़ी बेचने वाले ग़रीब युवक की बेरहमी से पिटाई की घटना को ही देखिये। सुनियोजित तरीक़े से कैसे उसकी पिटाई का वीडीओ बनाया गया। वीडीओ वायरल होने पर किस तरह मध्य प्रदेश के गृह मंत्री महोदय आक्रमणकारी असामाजिक तत्वों के बचाव में यह कहते हुए उतरे कि चूड़ी बेचने वाले की पिटाई का कारण यह था कि वह अपना असली नाम छुपा कर कोई हिन्दू नाम रखकर चूड़ियां बेच रहा था। यह आरोप भी लगाया गया कि चूड़ी बेचने वाले ने किसी लड़की से छेड़ छाड़ की थी।

उपरोक्त घटनाक्रम में यदि यह मान भी लिया जाये कि चूड़ी विक्रेता युवक अपना नाम बदल कर चूड़ियां बेच रहा था तो भी सत्ताधीशों को इस बात पर शर्म आनी चाहिये कि उन्होंने व उनके समर्थक अतिवादियों ने ही आख़िर ऐसा भयपूर्ण वातावरण क्यों पैदा किया जिसकी वजह से समाज के एक वर्ग में इतना भय व्याप्त हो गया कि वह ग़रीब अपनी रोज़ी रोटी कमाने के लिये धर्म आधारित अपनी असली पहचान छुपाने के लिये मजबूर हुआ ? बात यहीं ख़त्म नहीं हुई बल्कि जब पुलिस ने राष्ट्रव्यापी आलोचना,शोर शराबे व हंगामे के बाद वायरल वीडीओ के आधार पर कुछ आक्रमणकारी अतिवादियों की गिरफ़्तारी की तो उन के समर्थन में हज़ारों लोगों की भीड़ हिंदुत्ववादी ध्वज लेकर सड़कों पर उतर आयी और आपत्तिजनक नारे लगाते हुये हमलावरों को छुड़ाने की मांग करने लगी। ठीक उसी तरह जैसे 6दिसंबर 2017 को राजस्थान में लव जिहाद के नाम पर अफ़राज़ुल की दिनदहाड़े हत्या करने व उसे ज़िंदा जला कर मार डालने वाले के हत्यारे शंभु रैगर के समर्थन में भीड़ उतर आई थी। उसी तरह जैसे जनवरी 2018 में कठुआ में ग़रीब मज़दूर परिवार की 8 वर्षीय कन्या आसिफ़ा बानो के सामूहिक बलात्कारियों व हत्यारों के समर्थन में तिरंगा झण्डा हाथों में लेकर सत्ताधारी मंत्रियों व विधायकों की एक भीड़ सड़कों पर उतर आयी थी।ऐसे और भी दर्जनों उदाहरण मौजूद हैं। क्या इस तरह की घटनायें पाकिस्तानी मंसूबों को पूरा नहीं करतीं ? यह भी कहा जा सकता है कि धार्मिक उन्माद फैलाने के पाकिस्तानी दुष्प्रयासों को उतनी सफलता नहीं मिल सकी जितनी सत्ता समर्थित इन तत्वों को मिल रही है। दंगाइयों,हत्यारों,बलवाईयों व समाज को तोड़ने वाले तत्वों पर से मुक़द्दमे वापस लेना,पुलिस द्वारा इनके विरुद्ध कार्रवाई न करना,ऐसे लोगों को गोदी मीडिया द्वारा हीरो बनाकर पेश करना,उन्हें राजनैतिक पद नवाज़ना यह सब बक़ौल साक़िब लखनवी इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये पर्याप्त है कि -

बाग़बाँ ने आग दी जब आशियाने को मेरे।
जिन पे तकिया था वही पत्ते हवा देने लगे।।

शिवलिंग पर ऐसे चढ़ाए बेलपत्र, खत्म होगी धन संबंधी दिक्कत

भगवान शिव की अनेक प्रकार से पूजा होती है। जिससे भगवान अलग-अलग कामनाओं को पूरा करते है। लेकिन शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाने से आपकी धन संबंधित परेशानियां बिल्कुल ही खत्म हो जाएगी। इस श्रावण सोमवार को आप खास विधि के तहत भगवान शिव की बेलपत्र से पूजा-अर्चना करें। श्रावण माह में भगवान शिव को प्रसन्न करना है तो श्रावण सोमवार को शिव कि विशेष पूजा की जाती है। भगवान शिव बड़े ही दयालु है वे अपने भक्त की मुराद जल्द ही सुन लेते है। श्रावण माह कोई आम महीना नहीं है। हिन्दू धर्म में इसे बहुत ही पवित्र माह माना गया है। आप श्रावण के हर सोमवार को शिव पूजा अवश्य करतें होंगे। अनेक प्रकार से शिव की पूजा की जाती है जिससे शिव प्रसन्न होते है। लेकिन श्रावण माह के सोमवार को आप बेलपत्र से भगवान शिव की विशेष पूजा करें। जिससे आपके धन की दिक्कतें हमेशा के लिए दूर हो जाएगी। साथ ही आपको अनेकों फायदे भी मिलेंगे।

भगवान शिव की अनेक प्रकार से पूजा होती है। जिससे भगवान अलग-अलग कामनाओं को पूरा करते है। लेकिन शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाने से आपकी धन संबंधित परेशानियां बिल्कुल ही खत्म हो जाएगी। इस श्रावण सोमवार को आप खास विधि के तहत

भगवान शिव की बेलपत्र से पूजा-अर्चना करें। क्योंकि भगवान शिव की विशेष पूजा करने का दिन श्रावण का सोमवार रहता है और शिवजी को बेलपत्र अत्यधिक पसंद है। शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाने से वैवाहिक जीवन सुखमय बनता है, बड़े से बड़ा रोग दूर होता है, संतान सुख प्राप्त होता है तथा कोर्ट के मुकदमों में जीत हासिल होती है।

भगवान शिव की बेलपत्र से पूजा करने की खास विधि आज हम आपको बता रहें है। श्रावण सोमवार को अगर आप इस विधि से शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाएंगे तो आपकी धन संबंधित समस्या खत्म हो जाएगी। सबसे पहले आप वृक्ष से बेलपत्र ले आइए। इनमें सें बिना कटे-फटे 11 या 21 बेल पत्र को शुद्ध पानी से साफ कर लीजिए। जिसके बाद एक कटोरे में गाय का दूध लीजिए। जिसमें आपके स्वच्छ बेलपत्र डाल दीजिए। इतने आप जिस विधि से शिवलिंग पर पूजा करते है वह कर लीजिए। अब आप दूध के कटोरे से बेलपत्र निकाल लीजिए और उन्हें गंगाजल से स्वच्छ कर दीजिए। 11 या 21 बेलपत्र जो आपने स्वच्छ किए है उनके हर पत्ते पर चंदन से ? बना दीजिए और इत्र छिड़ककर शिवलिंग पर "? नमः शिवाय" मंत्र का जाप करते हुए सभी बेल पत्र चढ़ा दीजिए। इसके एक हफ्ते बाद ही आपको इसका परिणाम दिखाई देगा। यह एक प्रकार का टोटका भी है जो श्रावण सोमवार को किया जाता है। आप चाहे तो बेलपत्र की माला भी इस विधि से शिवलिंग पर चढ़ा सकते है। बताया जाता है कि भगवान शिव को पति रूप में पाने हेतु माता पार्वती ने कई प्रकार के जतन किए थे। कई व्रत भी शिवजी को पाने के लिए माता पार्वती ने किए थे। एक दिन भगवान शिव जंगल में बेलपत्र के वृक्ष के नीचे बैठकर तपस्या कर रहें थे। माता पार्वती जब शिवजी की पूजा के लिए सामग्री लाना भूल गई तो उन्होने नीचे गिरे हुए बेलपत्र से शिवजी को पूरी तरह ढक दिया। जिससे शिवजी अत्यधिक प्रसन्न हुए।

03 अगस्त की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1990	ईराक द्वारा कुवैत पर अधिकार एवं वहाँ के अमीर का सऊदी अरब पलायन।
1999	चीन ने लम्बी दूरी (8000 किमी.) की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल का परीक्षण किया।
2001	पाकिस्तान से भारत से चीनी आयात को मंजूरी दी।
2003	संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने लाइबेरिया में संघर्ष विराम लागू करने के लिए सेना भेजने की अनुमति दी।
2004	अमेरिका की लिंडसे डेवनपोर्ट ने रूस की मिस्कीनी की हराकर सान डियागो टेनिस चैम्पियनशिप का महिला एकल ख़िताब जीत लिया। पराग्वे की राजधानी आसुनसियोन में एक सुपर बाज़ार में आग लगने से 300 लोग मरे।
2007	जाफना के दक्षिणी द्वीप कियुशु में सुबह आये भयानक तूफ़ान उगासी ने व्यापक पैमाने पर क्षति पहुँचायी।
2008	सार्वजनिक क्षेत्र के यूनियन बैंक ने हांगकांग में अपनी पहली शाखा खोली। सुधीर कुमार चतुर्वेदी ने पावर ग्रिड कार्पोरेशन के नये अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में अपना कार्यभार संभाला।

जन्मे व्यक्ति

1861	प्रफुल्ल चंद्र राय - भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिक, जिन्हें 'रसायन विज्ञान का जनक' माना जाता है।
1878	पिंगलि वेंकय्या- भारत के राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगे' के अभिकल्पक।
1877	रविशंकर शुक्ल - मध्य प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री।
1955	धीरेन्द्र अग्रवाल - ग्यारहवीं, और बारहवीं लोकसभा के सदस्य।

शिक्षा और साक्षरता के महीन अंतर की विचारशीलता और चिंतन

विचार बिन्दु

संजीव ठाकुर

हमें आज नैतिक साक्षरता देने की आवश्यकता होगी, जिससे व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास विरासत की रक्षा तथा मानवीय संवेदनाओं का संपुट हो, जो व्यक्ति को एक अच्छा इंसान बना सकें।

सबसे पहले हमें शिक्षा और साक्षरता के मूल अंतर को पहचानना होगाद्य शिक्षा जीवन के महत्व, संकल्पना को निरूपित करती है वही साक्षरता मनुष्य के संपूर्ण जीवन को अंश मात्र से ही अपना पक्ष रखती हैंद्य शिक्षा व्यक्ति के संपूर्ण जीवन पद्धति को विकसित करने का जरिया तथा महत्वपूर्ण विकल्प हैद्य जिसके अंतर्गत पढ़ना लिखना समझना चरित्र विकास बौद्धिक मानसिक मनोवैज्ञानिक आध्यात्मिक सभी पहलुओं में गुणात्मक विकास करने के लिए आवश्यक कारक हैद्य साक्षरता में संस्कृतिक सभ्यता तथा अन्य माननीय जीवन की कल्पना उसे इसका कोई संबंध नहीं रह जाता हैद्य साक्षरता सदैव रोजगार मूलक स्त्रियों से जुड़ी होती है। जबकि सभ्यता संस्कृति का विकास मानवी शिक्षा से ही संभव हो पाता हैद्य शिक्षा हमें सभ्य होना सिखाती है। इसमें व्यक्ति के मनन, चेतना, सद्बुद्धि और विचारशीलता में वृद्धि करती हैद्य ऐसा भी संभव होता है कि कई वर्षों के अध्ययन से व्यक्ति सभ्य और सुसंस्कृत नहीं हो पाता है। इसीलिए विचारकों ने शिक्षा और संस्कृति को अलग-अलग पैमाने से नापा हैद्य सुसंस्कृत व्यक्ति सदैव संतुलित, शांत एवं नीति निर्णायक बन सकता है।पर कई उदाहरणों में ऐसा भी पाया गया है उच्च शिक्षित व्यक्ति उच्छृंखल हो सकता है. वर्तमान समय में उच्च शिक्षित और ज्यादा पढ़े लिखे अज्ञानियों की संख्या बहुतायत में हैद्य ऐसा ज्यादातर तकनीकी शिक्षा के मामले में देखा गया है, इसीलिए उच्च शिक्षित व्यक्ति जो सद व्यवहार नहीं करता, उन्हें केवल साक्षर मान के शिक्षित व्यक्ति ना माना जाएद्य शिक्षा और संस्कृति तथा विरासत के मूल्य का आपस में गहरा संबंध है।जबकि साक्षरता का इससे बहुत दूर-दूर तक कोई लेना देना नहीं हैद्य वैसे शिक्षा और संस्कृति के ज्ञान का प्रारंभिक गर्भावस्था से ही हो जाता है, अर्जुन पुत्र अभिमन्यु इस बात के बहुत बड़े उदाहरण हैद्य महात्मा गांधी तथा अब्राहम लिंकन ने मनुष्य के चरित्र निर्माण एवं विकास के लिए माताओं का योगदान बहुत महत्वपूर्ण बताया है। परिवार की शिक्षा के बाद विद्यालयों की शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसमें अनुशासन, सहभागिता, समानता एवं नेतृत्व जैसे गुणों का समावेश होता हैद्य पुस्तकों का ज्ञान व्यक्ति एवं व्यक्ति के जीवन में संज्ञानात्मक विकास को बढ़ावा देता हैद्य पर शिक्षक की भूमिका जिंदगी में बड़ी ही प्रेरणादाई होती है। यह कहा जाता कि बिना गुरु ज्ञान नहीं हो सकता है, लोकोक्ति सही भी है, शिक्षकों का मार्गदर्शन खेल खेलने से विकसित होने वाले मूल्य जैसे समूह की भावना, निष्पक्षता, ईमानदारी,साहस की भावना को परिष्कृत करती हैद्य ऐसे कई उदाहरण हैं की बिना साक्षरता के व्यक्ति पूर्ण रूप से शिक्षित एवं सुसंस्कृत हो सकता हैद्य अपने समय के महान चिंतक फिलासफर सुकरात ने कहा था कि मैं शिक्षित अथवा ज्ञानी इस अर्थ में हूं,कि मैं कुछ नहीं जानता। शिक्षा व्यक्ति के जीवन में अहंकार,लालच, हिंसा, कटुता आदि को नियंत्रित करने में मदद देती है।

पुराण काल में रावण प्रकांड पंडित एवं साक्षर व्यक्ति माना जाता था पर स्त्री के अपहरण में उसका कृत्य अहंकार लालच लिप्सा उसकी साक्षरता को सार्थक नहीं कर पाई। पर आज के संदर्भ में जब आज का युग प्रतिस्पर्धा का युग है, साक्षरता ने शिक्षा की जगह वरीयता प्राप्त करना शुरू कर दिया है। यह माना जाता है जिस व्यक्ति के पास अच्छी नौकरी अच्छा पद और मोटी मोटी तनख्वाह है, उसका समाज ज्यादा ही सम्मान करने लगता है। इन्हीं कारणों से समाज मूल्य तथा संस्कृति के विकास को दरकिनार कर रोजगार मूलक साक्षरता को ही आज वरीयता देता है। और समाज उसे सिर आंखों पर बिठा के रखता है। इससे समाज के दीर्घकालिक सांस्कृतिक मूल्यों का हनन होता है, एवं क्षति भी होती है। और इस प्रक्रिया में साक्षरता पक्ष होने के कारण रोजगार साधन बन जाते हैं। एवं साधनों की परवाह न कर इसकी खुली अवहेलना हो लोग करने लगे हैं ,और इसी कारण शिक्षा के क्षेत्र में नकल, फर्जीवाड़े,धन देकर नौकरी प्राप्त करना आदि की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। साक्षर तो घोटालेबाज केतन पारेख हर्षद मेहता एवं कुख्यात आतंकवादी ओसामा बिन लादेन भी थे, किंतु इनकी शिक्षा की सार्थकता समाज द्वारा सदैव नापसंद की गई एवं समाज इन्हें हेय दृष्टि से देखने लगा है। आज के संदर्भ में ऐसी शिक्षा या साक्षरता की आवश्यकता है, जो मानव जीवन में मूल्यों का विकास एवं मूल्यों की प्रतिबद्धता विकसित कर सके। जिससे समाजिक गिरते मूल्यों तथा विरासत की अवहेलना ना हो सके। बिना मूल्यों के बिना संस्कृतिक विचारधारा के साक्षर होना ठीक उसी तरह है जैसे किसी बंदर के हाथ में बंदूक या उस्तरा देना है।

नुकसानदायक केमिकल

तंबाकू में चार हजार से ज्यादा नुकसानदायक केमिकल पाए जाते हैं। सिगरेट में 40 ऐसे रसायन हैं, जो कैंसर की वजह बनते हैं।

निकोटिन: यह लत लगाने वाला केमिकल है। काफी शक्तिशाली है और तेजी से रिऐक्शन करता है। सिगरेट की लत इसी की वजह से लगती है।

बेंजीन: इसमें कोयला और पेट्रोलियम जैसे ज्वलनशील पदार्थों का गुण होता है। यह सिगरेट के जले रहने में मदद करता है। इसकी वजह से ल्यूकेमिया हो सकता है।

फॉर्मल्डिहाइड: काफी जहरीला होता है। इसका इस्तेमाल शवों को सुरक्षित रखने में किया जाता है। इसकी वजह से कैंसर होने का खतरा रहता है।

अमोनिया: टॉयलेट क्लीनर और ड्रायक्लिनिंग लिक्विड में इस्तेमाल किया जाता है। यह तंबाकू से निकोटिन को अलग कर गैस में बदल देता है।

एसिटोन: इसका इस्तेमाल नेल पॉलिश हटाने में होता है। इसमें ज्वलनशील गुण होता है जो फेफड़ों को काफी नुकसान पहुंचाता है।

टार: स्मोकिंग के समय धुएं के रूप में यह फेफड़े में जमा होता है। स्मोकिंग के दौरान जितनी टार बनती है, उसका 70 फीसदी फेफड़ों में जमा होता है। आर्सेनिक (चूहे मारने का जहर), हाइड्रोजन साइनाइड जैसे काफी जहरीले रसायन भी होते हैं।

पनपता खतरा

एक सिगरेट में 9 मिग्रा निकोटीन होता है, जो जलकर 1 ग्राम रह जाता है। निकोटीन सीधा शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाता लेकिन यह सैकड़ों केमिकल के साथ रिएक्शन कर टार बनाता है। यह टार फेफड़ों के ऊपर परत के रूप में चढ़ जाता है और बाद में उन्हें खत्म करने लगता है। अलग-अलग सिगरेट में निकोटीन का स्तर अलग-अलग होता है। सूखे हुए एक ग्राम तंबाकू में निकोटीन का स्तर 13.7 से 23.2 मिलीग्राम तक होता है। तंबाकू में कई तरह के कार्सिनोजिन तत्व पाए जाते हैं जो कैंसर के कारण बनते हैं। धूम्रपान से लंग, मुंह, गला, कंठ, श्वासनली का कैंसर होने के चांस बढ़ जाते हैं। तंबाकू, खैनी, पान मसाला, गुटखा आदि के सेवन से भी इन अंगों के कैंसर होने की आशंका बढ़ जाती है। हालांकि कितने दिनों तक इसके इस्तेमाल से कैंसर हो सकता है, इस बारे में साफतौर पर नहीं कहा जा सकता। जब कोई स्मोकिंग करता है तो गाल की अंदरूनी परत पर और फेफड़े में निकोटीन अवशोषित हो जाता है। इसकी लत कोकेन या हेरोइन की लत से कम नहीं होती। नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ ड्रग ऐब्यूज के अनुसार कैंसर के जितने मामले होते हैं, उसके एक तिहाई स्मोकिंग करने वालों से जुड़े होते हैं।स्मोकिंग करने से फेफड़े की बीमारियां होती हैं और दिल की बीमारियां होने की आशंका बढ़ जाती है।धूम्रपान न करने वालों के मुकाबले इसे करने वालों की उम्र सामान्य से 14 साल कम हो जाती है।

धूंए-धूंए में जिंदगी

हैल्थ संवाददाता

तंबाकू और धूम्रपान की लत ने कब हमारे जीवन में जगह बना ली, पता तक नहीं चल पाता। कभी दूसरे को देखकर, तो कभी बुरी संगत में आकर लोग सिगरेट, गुटखा, तंबाकू व दूसरी नशीली चीजों को साथी बना लेते हैं। इन्हें लेने वालों को लगता है कि इन चीजों ने उनकी जिंदगी आसान बना दी है। कई बार कम उम्र में ही खुद को बड़ों जैसा महसूस करने की ख्वाहिश में धुएं के छल्ले उड़ाने की ललक भी इस दलदल में धकेल देती है। जब इससे परेशानी होने लगती है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। हर कश स्वस्थ जीवन पर जुल्म ढाता है। हर पुड़िया में जिंदगी घुल रही है। तंबाकू की हर चुटकी जिंदगी को चाट रही है। इस मौके पर क्यों न ठान लें कि तंबाकू और धूम्रपान की इस लत से छुटकारा पाना ही है।

निकोटिन की लत के लक्षण

अगर नीचे दिए गए लक्षण नजर आने लगें तो समझ लेना चाहिए कि इंसान को निकोटिन की लत लग चुकी है। भूख कम महसूस होना। अधिक लार और कफ बनना। प्रति मिनट दिल की धड़कन 10 से 20 बार बढ़ जाती है तो यह लत का लक्षण है। छोटी बात पर भी बेचैनी महसूस होना। ज्यादा पसीना आना और उल्टी-दस्त होना। हर काम करने के लिए तंबाकू की जरूरत महसूस होना। निकोटीन लेने की इच्छा बढ़ जाना। चिंता बढ़ना, अवसाद, निराशा आदि महसूस होना। सिर दर्द होना और ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत होने लगे तो भी इसे निकोटिन की लत का लक्षण माना जाता है।

कैसे बनते हैं चेन स्मोकर

जब कोई सिगरेट या बीड़ी पीता है तो ब्रेन में लगभग 10 सेकंड और उसके बाद सेंट्रल नर्वस सिस्टम में 5 मिनट तक निकोटिन का असर रहता है। हालांकि स्मोकिंग करने से थोड़ी देर के लिए काम करने की क्षमता बढ़ती है, लेकिन बाद में शरीर सुस्त होने लगता है। धीरे-धीरे काम करने की क्षमता कम होती जाती है और फिर धूम्रपान की जरूरत महसूस होती है। बार-बार इस तलब को मिटाने की कोशिश में इंसान चेन स्मोकर हो जाता है।

हर्बल सिगरेट

धूम्रपान छोड़ने के लिए हर्बल सिगरेट की भी मदद ली जा सकती है। आयुर्वेदिक दवाएं बनाने वाली कंपनियां हर्बल सिगरेट बना रही हैं। इनमें पुदीना, वाइल्ड लेटिस (सलाद पत्ता), कैट्रिनप (एक प्रकार की सुगंधित वनस्पति), कमल के पत्ते, मकई के रेशे, मुलेठी की जड़ें आदि के सूखे चूर्ण का इस्तेमाल होता है।

सिगरेट छुड़ाने के वैकल्पिक तरीके

ई-सिगरेट के मामलों से जुड़े विशेषज्ञ अंकित गौड़ का कहना है कि इससे शत-प्रतिशत निकोटिन के जीरो लेवल तक पहुंच जाने का दावा तो नहीं किया जा सकता, लेकिन सिगरेट छोड़ने में इससे मदद जरूर मिलती है। इसमें कार्टेज में अलग-अलग स्तर में निकोटिन डाला जाता है। एक अध्ययन से पता चलता है कि जब कोई सिगरेट की 15 कश लेता है तो उसके अंदर 1 से 2 मिलीग्राम निकोटिन जमा होता है, जबकि ई-सिगरेट में 16 मिलीग्राम निकोटिन वाले कार्टेज का इस्तेमाल करने से इतनी ही कश लेने पर 0.15 मिलीग्राम निकोटिन जमा होता है। स्वास्थ के लिहाज से यह तरीका भी सही नहीं है क्योंकि इसके जरिए भी निकोटिन तो शरीर में जाता ही है। इसकी मदद से निकोटिन के स्तर को कम किया जा सकता है और धीरे-धीरे कोई स्मोकर निकोटिन के जीरो लेवल तक पहुंच सकता है। पान की दुकानों पर, दवा की दुकानों पर और इंटरनेट के जरिए इसे खरीदा जा सकता है। पूरी किट 1 से 2 हजार तक मिल जाती है। इससे इतनी कीमत में लगभग 500 सिगरेट पी जा सकती हैं।

मुद्रा, ध्यान और योगाभ्यास: किसी प्रकार की लत होने से व्यक्ति का आत्मविश्वास कमजोर होने लगता है। सिगरेट, तंबाकू, गुटखा, पान मसाला जैसे नशीले पदार्थों का सेवन करने वाले भी अगर मुद्रा, ध्यान और योगाभ्यास करते हैं तो उनका आत्मबल बढ़ता है। ऐसे में इन लतों को त्याग पाने की इच्छा शक्ति उनके अंदर पैदा होती है।

सेहत को धुएं में उड़ाती ई-सिगरेट

यूं तो ई-सिगरेट का इस्तेमाल सिगरेट छोड़ने वाले लोग एक माध्यम के तौर पर करते हैं, लेकिन भारत में बिना किसी नियम-कानून के चलते, दिन दोगुनी और रात चौगुनी गति से बढ़ रहा यह बाजार अब पूरी तरह से बेलगाम हो गया है। आलम यह है कि अभी तक सिगरेट छुड़ाने के लिए इलाज के एक माध्यम के रूप में बाजार में मिलने वाली यह ई-सिगरेट, नए तरह का नशा बनकर उभर रही है। डॉक्टरों के अनुसार बाजार में मिलने वाली ई-सिगरेट्स में कई ब्रैंड ऐसे हैं, जिनमें सामान्य सिगरेट से भी कहीं ज्यादा मात्रा में निकोटीन है।

सिगरेट की तरह ही खतरनाक है ई-सिगरेट

इस साल अक्टूबर में मॉस्को में हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के तंबाकू नियंत्रण सेमिनार में ई-सिगरेट को सामान्य सिगरेट के जैसे ही खतरनाक और नुकसानदायक माना। वहीं सितंबर में दिल्ली में दक्षिण-एशियाई देशों की बैठक में भी इसे नुकसानदायक करार दिया गया है। यही कारण है कि भारत में ई-सिगरेट पर कड़े नियम बनाने की मांग बढ़ गई है।

नियम ही नहीं हैं, तो क्या करें

भारत में सार्वजनिक स्थान पर सिगरेट पीने पर प्रतिबंध है, लेकिन ई-सिगरेट पीने पर कोई नियम-कानून नहीं है। यही कारण है कि पिछले कुछ सालों में ऑनलाइन ई-सिगरेट मंगाने का ट्रेंड बहुत ज्यादा बढ़ा है। मुंबई की हील्स फाउंडेशन के डॉ. प्रकाश गुप्ता का कहना है कि ई-सिगरेट में निकोटीन के ऐसे उत्पाद हैं, जिन्हें बिना किसी रोक-टोक के आसानी से इंटरनेट से मंगाया जा रहा है। भारत में तंबाकू पर बने कानून के तहत 18 साल से कम उम्र के बच्चों को तंबाकू प्रॉडक्ट नहीं दिए जाते, जबकि इंटरनेट के माध्यम से ई-सिगरेट किसी भी उम्र के लोग मंगा रहे हैं। गौरतलब है कि ई-सिगरेट बनाने वाली कंपनियां इसे सामान्य सिगरेट से कम हानिकारक के तौर पर प्रचारित कर रही हैं, लेकिन डॉक्टरों की राय इससे जुदा है। टाटा अस्पताल के हेड ऐंड नेक सर्जन, डॉ. पंकज चतुर्वेदी का कहना है कि किसी भी रिसर्च के माध्यम से यह साबित नहीं हुआ है कि ई-सिगरेट, सिगरेट के डी-अडिक्शन के लिए किसी भी तरह से कारगर साबित हुई है बल्कि, यह उतनी ही नुकसानदायक है जितनी सामान्य सिगरेट। कई ब्रैंड के ई-सिगरेट में 36 मिलीग्राम तक निकोटीन की मात्रा होती है, जो उसे सामान्य सिगरेट से भी ज्यादा खतरनाक बनाती है।

क्या है ई-सिगरेट

ई-सिगरेट बैटरी से चलने वाले ऐसा उपकरण है, जो निकोटीन को सीधे फेफड़ों तक पहुंचाता है। ई-सिगरेट, देखने में बिलकुल सामान्य सिगरेट या सिगार जैसी प्लास्टिक या मेटल से बनी होती है। बाजार में ई-सिगरेट के 7764 से भी ज्यादा फ्लेवर उपलब्ध हैं। यह सही है कि भारत में अभी तक ई-सिगरेट को लेकर कोई नियम नहीं है, लेकिन सरकार जल्द ही इस पर नियम लाने की तैयारी में है।

क्या है स्वाइन फ्लू

स्वाइन फ्लू श्वसन तंत्र से जुड़ी बीमारी है, जो ए टाइप के इनफ्लुएंजा वायरस से होती है। यह वायरस एच1 एन1 के नाम से जाना जाता है और मौसमी फ्लू में भी यह वायरस सक्रिय होता है। 2009 में जो स्वाइन फ्लू हुआ था, उसके मुकाबले इस बार का स्वाइन फ्लू कम पावरफुल है, हालांकि उसके वायरस ने इस बार स्ट्रेन बदल लिया है यानी पिछली बार के वायरस से इस बार का वायरस अलग है।

कैसे फैलता है

जब आप खांसते या छींकते हैं तो हवा में या जमीन पर या जिस भी सतह पर थूक या मुंह और नाक से निकले द्रव कण गिरते हैं, वह वायरस की चपेट में आ जाता है। यह कण हवा के द्वारा या किसी के छूने से दूसरे व्यक्ति के शरीर में मुंह या नाक के जरिए प्रवेश कर जाते हैं। मसलन, दरवाजे, फोन, कीबोर्ड या रिमोट कंट्रोल के जरिए भी यह वायरस फैल सकते हैं, अगर इन चीजों का इस्तेमाल किसी संक्रमित व्यक्ति ने किया हो।

शुरुआती लक्षण

- नाक का लगातार बहना, छींक आना, नाक जाम होना।
- मांसपेशियां में दर्द या अकड़न महसूस करना।
- सिर में भयानक दर्द।
- कफ और कोल्ड, लगातार खांसी आना।
- उनींदे रहना, बहुत ज्यादा थकान महसूस होना।
- बुखार होना, दवा खाने के बाद भी बुखार का लगातार बढ़ना।
- गले में खराश होना और इसका लगातार बढ़ते जाना।

नॉर्मल फ्लू से कैसे अलग

सामान्य फ्लू और स्वाइन फ्लू के वायरस में एक फर्क होता है। स्वाइन फ्लू के वायरस में चिड़ियों, सूअरों और इंसानों में पाया जाने वाला जेनेटिक मटीरियल भी होता है। सामान्य फ्लू और स्वाइन फ्लू के लक्षण एक जैसे ही होते हैं, लेकिन स्वाइन फ्लू में यह देखा जाता है कि जुकाम बहुत तेज होता है। नाक ज्यादा बहती है। पीसीआर टेस्ट के माध्यम से ही यह पता चलता है कि किसी को स्वाइन फ्लू है। स्वाइन फ्लू होने के पहले 48 घंटों के भीतर इलाज शुरू हो जाना चाहिए। पांच दिन का इलाज होता है, जिसमें मरीज को टेमीफ्लू दी जाती है।

स्वाइन फ्लू से बचाव और इसका इलाज

- साफ-सफाई का ध्यान रखा जाए और फ्लू के शुरुआती लक्षण दिखते ही सावधानी बरती जाए, तो इस बीमारी के फैलने के चांस न के बराबर हो जाते हैं।
- जब भी खांसी या छींक आए रूमाल या टिश्यू पेपर यूज करें।
- इस्तेमाल किए मास्क या टिश्यू पेपर को ढक्कन वाले डस्टबिन में फेंकें।
- थोड़ी-थोड़ी देर में हाथ को साबुन और पानी से धोते रहें।
- लोगों से मिलने पर हाथ मिलाने, गले लगने या चूमने से बचें।
- फ्लू के शुरुआती लक्षण दिखते ही अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

Swine flu alert!

स्वाइन फ्लू एक बार फिर देश में पांव पसार रहा है, जिससे मौत का आंकड़ा भी बढ़ता जा रहा है। दिन-प्रतिदिन स्वाईन फ्लू के नए-नए मामले सामने आते जा रहे है। फ्लू से डरने के बजाय जरूरत इसके लक्षणों के बारे में जानने और सावधानी बरतने की है।

यह रहें सावधान

5 साल से कम उम्र के बच्चे, 65 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्ग और गर्भवती महिलाएं। जिन लोगों को निम्न में से कोई बीमारी है, उन्हें अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए = फेफड़ों, किडनी या दिल की बीमारी मस्तिष्क संबंधी (न्यूरोलॉजिकल) बीमारी मसलन, पर्किंसन कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग डायबीटीजं ऐसे लोग जिन्हें पिछले 3 साल में कभी भी अस्थमा की शिकायत रही हो या अभी भी हो। ऐसे लोगों को फ्लू के शुरुआती लक्षण दिखते ही डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। गर्भवती महिलाओं का प्रतिरोधक तंत्र (इम्यून सिस्टम) शरीर में होने वाले हॉरमोन संबंधी बदलावों के कारण कमजोर होता है। खासतौर पर गर्भावस्था के तीसरे चरण यानी 27वें से 40वें सप्ताह के बीच उन्हें ज्यादा ध्यान रखने की जरूरत है।

चिंता की बात

इस बीमारी से लड़ने के लिए सबसे जरूरी है दिमाग से डर को निकालना। ज्यादातर मामलों में वायरस के लक्षण कमजोर ही दिखते हैं। जिन लोगों को स्वाइन फ्लू हो भी जाता है, वे इलाज के जरिए सात दिन में ठीक हो जाते हैं। कुछ लोगों को तो अस्पताल में एडमिट भी नहीं होना पड़ता और घर पर ही सामान्य बुखार की दवा और आराम से ठीक हो जाते हैं। कई बार तो यह ठीक भी हो जाता है और मरीज को पता भी नहीं चलता कि उसे स्वाइन फ्लू था। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट बताती है कि जिन लोगों का स्वाइन फ्लू टेस्ट पॉजिटिव आता है, उनमें से इलाज के दौरान मरने वालों की संफ्या केवल 0.4 फीसदी ही है। यानी एक हजार लोगों में चार लोग। इनमें भी ज्यादातर केस ऐसे होते हैं, जिनमें पेशंट पहले से ही हार्ट या किसी दूसरी बीमारी की गिरफ्त में होते हैं या फिर उन्हें बहुत देर से इलाज के लिए लाया गया होता है।

कब तक रहता है वायरस

एच1एन1 वायरस स्टील, प्लास्टिक में 24 से 48 घंटे, कपड़े और पेपर में 8 से 12 घंटे, टिश्यू पेपर में 15 मिनट और हाथों में 30 मिनट तक एक्टिव रहते हैं। इन्हें खत्म करने के लिए डिटर्जेंट, एल्कॉहॉल, ब्लीच या साबुन का इस्तेमाल कर सकते हैं। किसी भी मरीज में बीमारी के लक्षण इन्फेक्शन के बाद 1 से 7 दिन में डिवेलप हो सकते हैं। लक्षण दिखने के 24 घंटे पहले और 8 दिन बाद तक किसी और में वायरस के ट्रांसमिशन का खतरा रहता है।

आयुर्वेद

ऐसे करें बचाव

इनमें से एक समय में एक ही उपाय आजमाएं। 4-5 तुलसी के पत्ते, 5 ग्राम अदरक, चुटकी भर काली मिर्च पाउडर और इतनी ही हल्दी को एक कप पानी या चाय में उबालकर दिन में दो-तीन बार पिएं। गिलोय (अमृता) बेल की डंडी को पानी में उबाल या छानकर पिएं। गिलोय सत्व दो रत्ती यानी चौथाई ग्राम पौना गिलास पानी के साथ लें। 5-6 पत्ते तुलसी और काली मिर्च के 2-3 दाने पीसकर चाय में डालकर दिन में दो-तीन बार पिएं।- आधा चम्मच हल्दी पौना गिलास दूध में उबालकर पिएं। आधा चम्मच हल्दी गरम पानी या शहद में मिलाकर भी लिया जा सकता है।

मान्यता के प्यार में दीवाने थे संजय...

मुंबई। एक्टर संजय दत्त पत्नी मान्यता और बच्चों के साथ खुशहाल जिंदगी जी रहे हैं। संजय ने 2008 में मान्यता से शादी की थी। इस शादी से संजय और मान्यता को जुड़वा बच्चे हैं। दोनों कपल गोल्स देते रहते हैं। मान्यता ने बी ग्रेड लवर्स लाइक अस जैसी फिल्म में भी काम किया है। ये फिल्म 2005 में रिलीज हुई थी। उस दौरान मान्यता को सारा खान के नाम से जाना जाता था। इस फिल्म में उन्हें ये ही नाम से क्रेडिट दिया गया था। हालांकि, जब उन्होंने संजय दत्त को डेट करना शुरू किया तो एक्टर ने इस फिल्म के राइट खरीद लिए और मार्केट से इसकी डीवीडी और सीडी हटवा ली थी। संजय मान्यता के प्यार में दीवाने थे।

लाइफ Style

कृतिका

'ग्यारह-ग्यारह' का मोशन पोस्टर जारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मोशन पोस्टर को शेयर करते हुए निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, 'वामिका रावत- मामलों को सुलझाने की उलझनमें फंसी हुई। क्या अतीत उसे पकड़ लेगा जब दो दुनियाएं जुड़ेंगी।'

'ग्यारह ग्यारह' वेब सीरीज अपने ऐलान के बाद से ही दर्शकों के बीच चर्चा में बनी हुई है। हाल ही में करण जौहर ने सीरीज का ट्रेलर जारी किया था। करण जौहर और गुनीत मोंगा द्वारा निर्मित इस सीरीज में अभिनेत्री कृतिका कामरा भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के ट्रेलर का अनावरण करने के बाद निर्माताओं ने अब कृतिका को वामिका रावत के रूप में दिखाते हुए एकरोमांचक मोशन पोस्टर जारी किया है। सीरीज में कृतिका कामरा एक पुलिस अधिकारी के रूप में नजर आएंगी, जो राघव के साथ मिलकर एक 15 साल पुराने मामले को सुलझा रही हैं, जिसमें एक महिला एक दशक से भी अधिक समय से अपनी बेटी के लिए न्याय की मांग कर रही है, जिससे पुराने मामले फिर से खुल जाते हैं। मोशन पोस्टर को शेयर करते हुए निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, 'वामिका रावत- मामलों को सुलझाने की उलझनमें फंसी हुई। क्या अतीत उसे पकड़ लेगा जब दो दुनियाएं जुड़ेंगी।' इससे पहले सीरीज के बारे में बात करते हुए, कृतिका ने कहा था, 'ग्यारह-ग्यारह' की दुनिया में कदम रखना मेरे लिए एक रोमांचक यात्रा रही है। यह भूमिका मेरे द्वारा पहले कभी की गईकिसी भी भूमिका से अलग है।

हॉलीवुड मसाला

मार्वल के फैसले से दुखी हैं जोनाथन

लॉस एंजिलिस। 2023 की एंट-मैन एंड द वास्पः क्वांटममैनिया में जोनाथन मेजर्स की भूमिका के बाद उन्हें एमसीयू का अगला खलनायक बनाने की तैयारी की गई थी, लेकिन फिर मार्वल ने अपना फैसला बदल लिया। जब जोनाथन मेजर्स से पूछा गया कि क्या वह मार्वल द्वारा उनके किरदार से दूर जाने के फैसले से दुखी हैं? इस पर अपने प्रतिक्रिया देते हुए जोनाथन ने कहा कि हां, बेशक दिल टूट गया। मुझे कांग पसंद है। हालांकि, डॉक्टर डूम दुष्ट है।

'हाउस ऑफ द ड्रैगन' सीजन 2 का फिनाले एपिसोड लीक

लॉस एंजिलिस। 'हाउस ऑफ द ड्रैगन' के प्रशंसक दुनियाभर में मौजूद हैं। सभी को सीजन 2 के फिनाले के रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार है। हालांकि, इसकी रिलीज से पहले निर्माताओं को तगड़ा झटका लगा है। दरसअल, जियो सिनेमा पर फिनाले एपिसोड प्रसारित होने से पहले ही यह ऑनलाइन लीक हो गया है। इसको लेकर अब एचबीओ ने एक आधिकारिक बयान जारी किया है। आधिकारिक बयान में लिखा है, 'हमें जानकारी मिली है कि हाउस ऑफ द ड्रैगन के सीजन फिनाले के क्लिप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सामने आए हैं। क्लिप को एक अंतरराष्ट्रीय थर्ड-पार्टी वितरक द्वारा अनजाने में रिलीज किए जाने के बाद पोस्ट किया गया था। एचबीओ आक्रामक रूप से इंटरनेट से क्लिप की निगरानी कर उन्हें हटा रहा है।

पुरुषों से भी होना चाहिए सवाल

नई दिल्ली। बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री तब्बू इन दिनों अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'औरों में कहां दम था'के प्रचार -प्रसार में व्यस्त हैं। निर्देशक नीरज पांडे के साथ फिल्म प्रचार के दौरान अभिनेत्री ने बॉलीवुड में वेतन समानता के महत्वपूर्ण मुद्दे पर अपने विचारों को खुलकर साझा किया। एक साक्षात्कार में अभिनेत्री तब्बू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारतीय फिल्म उद्योग में पुरुष और महिलाओं के वेतन अंतर को लेकर महिलाओं से अक्सर सवाल पूछे जाते हैं। बातचीत में उन्होंने कहा, 'हर मीडियाकर्मी महिलाओं से वेतन समानता के बारे में पूछेगा। वह कहेंगे कि एक पुरुष को अधिक भुगतान किया जाता है और आपको कम भुगतान किया जाता है। आप मुझसे क्यों पूछ रहे हैं? आप उस व्यक्ति से क्यों नहीं पूछते जो उन्हें अधिक भुगतान कर रहा है।'

राजकुमार की 'स्त्री-2' का गाना रिलीज

नई दिल्ली। नेशनल अवॉर्ड विनिंग एक्टर राजकुमार राव इस बात को पक्का करने में जुटे हुए हैं कि वह दर्शकों को 'स्त्री 2' के लिए टिकट बुक करने के लिए मजबूर कर दें। ये सबसे वर्सेटाइल एक्टर के करियर की सबसे बड़ी हिट बनने की राह पर बढ़ती नजर आ रही हैं। 'आज की रात' से सोशल मीडिया पर धूम मचाने के बाद एक्टर ने फिल्म का एक नया गाना शेयर किया। इसका टाइटल 'आयी नईं' है। इसमें एक्टर अपनी डांसिंग स्किल्स से सेंटर स्टेज पर चमक रहे हैं। एक्टर को सचिन-जिगर की कम्पोजीशन में दिल खोलकर नाचते हुए देखा जाता है. इसमें उनके साथ श्रद्धा कपूर भी हैं। 'स्त्री 2' ना सिर्फ राव की सबसे बड़ी हिट बनने के लिए तैयार है बल्कि यह एक्टर को बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाले स्टार के तौर पर सेट करने के लिए तैयार है।

टीवी मसाला

इन पांचों में होगी बिग बॉस फिनाले की टक्कर

नई दिल्ली। बिग बॉस ओटीटी 3 का फिनाले 2 अगस्त को होने वाला है, जिसे लेकर फैंस के बीच काफी एक्साइटमेंट देखने को मिल रहा है। लेकिन लेटेस्ट एपिसोड में फैंस को काफी निराशा देखने को मिली। दरअसल, लवकेश कटारिया और अरमान मलिक का हाल ही में इविक्शन देखने को मिला है। इसके बाद सीजन के टॉप 5 मिल गए हैं। जबकि चीफ गेस्ट कौन होने वाला है इसकी डिटेल भी सामने आने वाला है। लवकेश और अरमान मलिक के इविक्शन के बाद रणवीर शौरी, सना मकबूल, नेजी, साई केतन और कृतिका मलिक फिनाले में एन्ट्री कर चुके हैं। जबकि सना मकबूल और रणवीर शौरी के बीच कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक कांटे की टक्कर है। जबकि नेजी को भी फैंस द्वारा काफी सपोर्ट मिलता दिखाई दे रहा है। इसके चलते इन तीन कंटेस्टेंट में से बिग बॉस ओटीटी 3 का विनर हो सकता है। श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव चीफ गेस्ट के तौर पर शो में पहुंचेंगे। जबकि स्त्री 2 का वह प्रमोशन करने के साथ इविक्शन की जानकारी भी फैंस को देते हुए नजर आ सकते हैं। बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 का ग्रैंड फिनाले जियो सिनेमा पर 2 अगस्त को रात 9 बजे से स्ट्रीम होगा, इसमें सीजन के इविक्ट हुए कंटेस्टेंट भी नजर आएंगे।

मिस्ट्री गर्ल का माथा चूमते नजर आए शिव ठाकरे

नई दिल्ली। कई रियलिटी शोज का हिस्सा रह चुके शिव ठाकरे अपनी निजी जिंदगी की वजह से सुर्खियों में आ गए हैं। दरअसल, हाल ही में

उन्होंने एक इंस्टाग्राम स्टोरी साझा की है, जिसमें वह एक मिस्ट्री गर्ल के साथ दिख रहे हैं। इस फोटो को देखकर लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। बिग बॉस 16 के बाद शिव ठाकरे की लोकप्रियता में गजब का इजाफा देखने को मिला है। शो में अपने खेल से वह फाइनल तक पहुंचने में कामयाब रहे थे। बिग बॉस के बाद शिव खतरों के खिलाड़ी और झलक दिखला जा जैसे कई रियलिटी शो का हिस्सा बन चुके हैं। उन्होंने अब तक अपने रिलेशनशिप के बारे में किसी से भी खुलकर बात नहीं की है, लेकिन अपनी नई इंस्टाग्राम स्टोरी की वजह से वह सुर्खियों में आ गए हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह एक लड़की का माथा चूमते नजर आ रहे हैं।

किताबों पर बनी हैं ये वेब सीरीज

नई दिल्ली। फिल्मों की तरह कई वेब सीरीज भी किताबों पर बन चुकी हैं। 'लीला', 'सेक्रेड गेम्स', 'स्टेट ऑफ सीज: 26/11' और 'ए सूटेबल ब्वॉय' चर्चित वेब सीरीज की सूची में शामिल हैं। इन सभी में एक बात समान है। ये सभी किसी न किसी किताब पर आधारित हैं।

लीला : नेटफिल्क्स की वेब सीरीज 'लीला' प्रयाग अख्तर की इसी नाम की किताब पर आधारित है। इसमें

दिखाया गया है कि कैसे आने वाले दिनों में अधिनायकवादी शासन का कब्जा होगा और किस-किस ढंग से लोग को काबू किया जाएगा। इसमें एक महिला अपनी लापता बच्ची को भी खोजने में लगी रहती है। इस सीरीज को 2019 में रिलीज किया गया था। इसमें हुमा कुरैशी, लाएशा मांगे, राहुल खन्ना, आकाश खुराना, आरिफ जकारिया, संजय सूरी, और सीमा बिस्वास ने अभिनय किया है।

ए सूटेबल ब्वॉय : 'ए सूटेबल ब्वॉय' मशहूर लेखक विक्रम सेठ के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है। इसकी कहानी 1950 के दशक की पृष्ठभूमि में लिखी गई है, जो लता नाम की लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे लता अपने प्रेमियों में से अपने जीवनसाथी को चुनती है। सीरीज में ईशान खट्टर, तान्या मनिकतला, माहिरा कक्कर, तब्बू, रसिका दुग्गल और नमित दास समेत कई कलाकारों ने अभिनय किया है।

अमिताभ बच्चन ने शेयर की अपनी 70 साल पुरानी फोटो

नई दिल्ली। फिल्म इंडस्ट्री के शहंशाह माने जाने वाले बिग बी यानी कि अमिताभ बच्चन ने 1 अगस्त अपने फैन्स को हैरान कर दिया। दरअसल, हम इतने साल से उन्हें फिल्मी पर्दे पर देख रहे हैं कि उनके बचपन की तस्वीरें सामने आती हैं तो हैरान ही रह जाते हैं। बच्चन साहब अपने स्कूल के दौरान की एक ग्रुप फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की। इस ग्रुप फोटो के ऊपर दी गई जानकारी से पता चलता है कि अमिताभ बच्चन किस इंटर ट्रूप चैलेंज शील्ड को जीतकर स्कूल लौटे थे और इसी खुशी में पूरी टीम के साथ ये ग्रुप फोटो हुई। टीचर के पास दो बच्चे नीचे शील्ड के साथ पोज करते दिख रहे हैं। बिग बी ऊपर से दूसरी लाइन में तस्वीर की सीधी तरफ से गिनें तो चौथे नंबर पर हैं। तस्वीर थोड़ी ब्लर है इस वजह से पहचानना थोड़ा मुश्किल हो सकता है।

ओटीटी पर 9 अगस्त को रिलीज होगी 'इंडियन 2'

मुंबई। कमल हासन की 'इंडियन 2' सिनेमाघरों में उम्मीद के मुकाबले अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई। फिल्म को सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का

सामना भी करना पड़ा। यह फिल्म सिनेमाघरों में असफल साबित हो गई और इसकी कमाई में लगातार गिरावट दर्ज की गई थी। सिनेमाघरों के बाद अब इस फिल्म की उम्मीद ओटीटी रिलीज पर टिकी हुई है। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर 9 अगस्त को कई भाषाओं में रिलीज हो सकती है। हालांकि, इस खबर को लेकर निर्माताओं की ओर से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। वहीं, कहानी की बात करें तो फिल्म सेनापति नामक एक स्वतंत्रता सेनानी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो सिद्धार्थ नाम के युवक द्वारा देश में भ्रष्टाचार को उजागर करने की कोशिश के बाद भारत लौटता है। सेनापति समाज में अपराध और भ्रष्टाचार को खत्म करने का फैसला करता है और इसे स्वतंत्रता का दूसरा युद्ध कहता है।

कई बार हुआ इश्क लेकिन फिर भी अकेली रह गई ये एक्ट्रेस...

नई दिल्ली। प्यार जिंदगी मे बहुत से लोगों को मिलता है, लेकिन ऐसे लोग बहुत कम होते हैं जिनका प्यार पूरा होता है और साथ जन्म जन्म का हो जाता है। हम जिस एक्ट्रेस के बारे में आज बात कर रहे हैं, प्यार के मामले मे उस एक्ट्रेस का नसीब भी कुछ ऐसा ही रहा है। जिसमें लंबे समय तक बड़े पर्दे को अपनी प्रेजेंस से रोशन किया है।जितना नाम कमाया, इश्क के चर्चे भी उतने ही रहे। लेकिन, अफसोस की मोहब्बत का कोई अफसाना हकीकत न बन सका और ये एक्ट्रेस आज भी तन्हा ही जिंदगी गुजारने पर मजबूर है। ये एक्ट्रेस है द लेडी इन व्हाइट, जिन्हें सब सिमी गरेवाल के नाम से भी जानते हैं।

17 साल की उम्र में हुआ प्यार

सिमी गरेवाल को पहला प्यार 17 ही साल की उम्र में हो गया था। उनका ये प्यार थे जामनगर के महाराज। खुद सिमी गरेवाल ने एक इंटरव्यू में अपने इस प्यार के बारे में बताया था। उन्होंने कहा था कि 17 की उम्र में उन्हें उनके पड़ोसी से प्यार हुआ। ये पड़ोसी जामनगर के महाराज थे। दोनों करीब तीन साल तक एक-दूसरे के साथ रिलेशन में रहे। इस दौरान दोनों ने अलग-अलग गेम्स और एनिमल लाइफ को एक्सप्लोर किया। सिमी गरेवाल ने उन पुराने दिनों को याद करते हुए कहा था कि वो दिन बेहद खूबसूरत थे। अब वो जब भी उन दिनों को याद करती हैं तो उनके चेहरे पर मुस्कान आ जाती है।

रतन टाटा से भी जुड़ा नाम

इस रॉयल लवस्टोरी के अलावा सिमी गरेवाल का रिलेशन रतन टाटा के साथ भी रहा। एक्ट्रेस अपने उस रिश्ते पर भी खुल कर बात कर चुकी हैं। वो अपने इस रिलेशन को हमेशा ही एक अच्छी याद के रूप में संजो कर रखती हैं। उन्हें वो हमेशा मिस्टर परफेक्शनिस्ट के तौर पर याद करते हैं। इसके साथ ही वो उनके ह्यूमर को भी एडमायर करती रही हैं। इसके बाद 1970 में सिमी गरेवाल की शादी दिल्ली के रवि मोहन से हुई। लेकिन, ये रिश्ता भी एक दशक से ज्यादा नहीं चल सका।

खबर संक्षेप

सोना 350 रुपए मजबूत चांदी 200 रुपए फिसली

नई दिल्ली। घरेलू मांग बढ़ने और मजबूत वैश्विक रुख के कारण स्थानीय सराफा बाजार में शुक्रवार को सोने का भाव लगातार चौथे दिन बढ़त के साथ 350 रुपये चढ़कर 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। सोना 72,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी 200 रुपये की गिरावट के साथ 86,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई।

हिंदुस्तान जिंक के मुनाफे में 19 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली। वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 19.3 प्रतिशत बढ़कर 2,345 करोड़ रुपये हो गया है। तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 1,964 करोड़ रुपये रहा था। उसकी आमदनी जून तिमाही में बढ़कर 8,398 करोड़ रुपये हो गई है, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 7,564 करोड़ रुपये थी।

जीएसके फार्मा का शुद्ध लाभ 38 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। दवा कंपनी ग्लैक्सोस्मिथ क्लाइन फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड (जीएसके फार्मा) का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 37.87 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 182.33 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 132.25 करोड़ रुपये रहा था।

डॉयचे एयरक्राफ्ट ने बेंगलुरु की कंपनी से किया करार

मुंबई। जर्मनी की विमान विनिर्माता डॉयचे एयरक्राफ्ट ने 40 सीट वाले टर्बोप्रॉप क्षेत्रीय विमान डी328ईको के लिए बेंगलूरू स्थित एसएएसएमओएस एचईटी टेक्नोलॉजीज के साथ साझेदारी की है। एसएएसएमओएस एचईटी टेक्नोलॉजीज क्षेत्रीय विमानों के लिए इलेक्ट्रिकल वायरिंग इंटरकनेक्शन सिस्टम का विशेष डिजाइन प्रदान करेगी।

मीशो ने तीन स्वतंत्र निदेशक किए नियुक्त

नई दिल्ली। सॉफ्टबैंक समर्थित ई-वाणिज्य कंपनी मीशो ने जुबिलेंट भारतीय समूह के संस्थापक हरि एस. भरतिया के साथ तीन अन्य को स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया है। दक्षिण पूर्व एशिया के लिए जेपी मॉर्गन की पूर्व चेयरमैन कल्पना मोरपारिया, फोनपे के गैर-कार्यकारी बोर्ड चेयरमैन रोहित भगत और सैन फ्रांसिस्को स्थित एआई कंपनी ईमा के सीईओ सुरोजित चटर्जी को स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया है।

अमेजन ने की 13.5 अरब अमेरिकी डॉलर की कमाई

सिएटल (अमेरिका)। प्रौद्योगिकी कंपनी अमेजन ने अप्रैल-जून तिमाही में 13.5 अरब अमेरिकी डॉलर की कमाई की। कंपनी ने यह जानकारी दी। सिएटल स्थित प्रौद्योगिकी कंपनी की कमाई के यह आंकड़े फैक्टसेट द्वारा अनुमानित 10.99 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक है। समीक्षाधीन तिमाही में प्रति शेयर आय 1.26 अमेरिकी डॉलर रही, जो विश्लेषकों की 1.03 अमेरिकी डॉलर की अपेक्षा से अधिक है। कंपनी ने 10 प्रतिशत अधिक 148 अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व अर्जित किया।

रिकॉर्ड 7.28 करोड़ आयकर रिटर्न तय सीमा तक हुए दाखिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आयकर विभाग ने शुक्रवार को कहा कि 31 जुलाई की निर्धारित समयसीमा तक रिकॉर्ड 7.28 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए गए, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 7.5 प्रतिशत अधिक है।

- पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 7.5 प्रतिशत अधिक

कर विभाग ने एक बयान में कहा कि आकलन वर्ष 2024-25 के लिए रिकॉर्ड 7.28 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए गए हैं। पिछले साल 6.77 करोड़ आईटीआर दाखिल किए गए थे।

आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2024-25 के लिए जारी किया आंकड़ा

ई-फाइलिंग पोर्टल से 43.82 फीसदी आईटीआर दाखिल

इसमें से 43.82 प्रतिशत से अधिक आईटीआर ई-फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन आईटीआर का उपयोग करके दाखिल किए गए हैं और बाकी ऑफलाइन आईटीआर का उपयोग करके दाखिल किए गए हैं। इस दौरान ई-फाइलिंग पोर्टल ने अंतिम समय में रिटर्न दाखिल करने वालों की भारी भीड़ को सफलता पूर्वक संभाल लिया।

अंतिम दिन 69.92 लाख से अधिक रिटर्न दाखिल

वेतनभोगी करदाताओं और अन्य गैर-कर लेखा परीक्षा मामलों के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई, 2024 थी। इस समयसीमा के अंतिम दिन यानी 31 जुलाई को 69.92 लाख से अधिक रिटर्न दाखिल किए गए।

करदाताओं के प्रति जताया आभार : बयान में आईटीआर और फॉर्म दाखिल करने में समर्थन के लिए कर पेशेवरों और करदाताओं के प्रति आभार जताते हुए कहा गया कि आईटीआर दाखिल करने के 30 दिनों के भीतर अपने असत्यापित आईटीआर का सत्यापन कर लें। विभाग ने कहा कि जो करदाता किसी वजह से नियत तिथि के भीतर अपना आईटीआर दाखिल करने से चूक गए थे, वे इसे जल्द पूरा करें।

नई कर व्यवस्था में 5.27 करोड़ रिटर्न दाखिल

विभाग के बयान के मुताबिक, ''आकलन वर्ष 2024-25 के लिए दाखिल किए गए कुल 7.28 करोड़ आईटीआर में से नयी कर व्यवस्था के तहत 5.27 करोड़ रिटर्न दाखिल किए गए हैं। वहीं पुरानी कर व्यवस्था में दाखिल रिटर्न की संख्या 2.01 करोड़ है।' इस प्रकार, लगभग 72 प्रतिशत करदाताओं ने नई कर व्यवस्था को चुना है, जबकि 28 प्रतिशत करदाता पुरानी कर व्यवस्था में बने हुए हैं।

पोर्टल पर पहली बार आईटीआर फार्म अपलोड

ऐतिहासिक रूप से पहली बार आईटीआर (आईटीआर-1, आईटीआर-2, आईटीआर-4, आईटीआर-6) को वित्त वर्ष के पहले दिन यानी एक अप्रैल, 2024 को ही विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया था।

सेबी की चेयरपर्सन बुच ने फिक्की के कार्यक्रम में कहा

सेबी आईपीओ मंजूरी में तेजी लाने के लिए एक तंत्र पर काम कर रहा है: बुच

एजेंसी ▶▶| मुंबई

सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने शुक्रवार को कहा कि पूंजी बाजार नियामक आईपीओ मंजूरी में तेजी लाने के लिए एक तंत्र पर काम कर रहा है। बुच ने फिक्की के 'कैपम' कार्यक्रम में कहा कि इसके अलावा सेबी तेजी से मंजूरी के लिए कंपनियों द्वारा दाखिल किए जा रहे हैं।

आईपीओ दस्तावेजों की जांच के लिए एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण भी विकसित कर रहा है। यह उपकरण दिसंबर तक उपलब्ध हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आईपीओ प्रक्रिया के इर्द-गिर्द एक जटिलता कायम है जैसे कि एक जटिल 'ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस' दाखिल करना। अब इस प्रक्रिया को इससे मुक्त करने का प्रयास किया जा रहा है।

- आईपीओ दस्तावेजों की जांच के लिए एआई कर रहे विकसित
- एआई के दिसंबर 2024 तक उपलब्ध होने की संभावना
- आईपीओ दस्तावेज दाखिल करने की प्रकिया जटिल है

भिन्नता समझाने के लिए अलग से कॉलम होगा

विस्तार से बताते हुए बुच ने कहा कि सेबी एक ऐसी प्रक्रिया पर काम कर रहा है, जिसमें एक 'टेम्पलेट' होगा, जहां कंपनियां आईपीओ दस्तावेज तैयार करने के लिए रिक्त स्थान भर सकेंगी। किसी भी जटिलता को स्पष्ट करने तथा किसी विशेष पहलू पर भिन्नताओं को समझाने के लिए एक अलग 'कॉलम' होगा।

इंट्राडे को निवेश समझने की भूल न करे

इसी कार्यक्रम में एनएसई के मुख्य कार्यकारी एवं प्रबंध निदेशक आशीष कुमार चौहान ने छोटे निवेशकों से 'डेरिवेटिव' में कारोबार करने से दूर रहने का आग्रह किया। चौहान ने कहा कि सुबह खरीदना और शाम को बेचने को ''निवेश'' समझने की भूल न करें। साथ ही सही नियमन और अनुपालन की वकालत भी की।

कार्यान्वयन की कोई समय सीमा तय नहीं
चेयरपर्सन ने कहा, 'दस्तावेज सटीक और अर्थपूर्ण होगा तथा इसमें किसी भी प्रकार के बदलाव को अलग से समझाया जाएगा।' हालांकि, उन्होंने योजना के कार्यान्वयन के लिए कोई समय-सीमा या इसके लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

निवेश को बढ़ावा देना जरूरी : वहीं फिक्की के अध्यक्ष एवं ऑटो प्रमुख महिंद्रा एंड महिंद्रा के मुख्य कार्यकारी अनीश शाह ने कहा कि आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए निजी कंपनियों के लिए निवेश को बढ़ावा देना जरूरी है।

एनएसई ने गारंटीड रिटर्न के प्रति किया आगाह

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश पर 'गारंटीड रिटर्न' का दावा करने वाली एक संस्था के प्रति शुक्रवार को आगाह किया। एक्सचेंज को उसके पंजीकृत शेयर ब्रोकर के एक अधिकृत व्यक्ति द्वारा 'गारंटीड रिटर्न' की पेशकश करने और निवेशकों से ऐसे सुनिश्चित रिटर्न पर 'कमीशन' वसूलने की जानकारी मिलने के बाद उसने यह बयाज जारी किया।

पंजीकृत ब्रोकर पर एनएसई का बयान

एनएसई ने एक बयान में कहा, '' एक्सचेंज के संज्ञान में यह बात लाई गई कि हमारे एक पंजीकृत शेयर ब्रोकर के अधिकृत व्यक्ति अमित लिल्हारे विभिन्न पतों के जरिये परिचालन करते हुए शेयर बाजार में निवेश पर सुनिश्चित/गारंटीकृत रिटर्न देने का दावा कर रहा है और अपने व्यक्तिगत बैंक खातों में निवेशकों से ऐसे सुनिश्चित/गारंटीकृत रिटर्न पर 'कमीशन' ले रहा है।''

अपंजीकृत संस्थाओं के प्रति किया आगाह

एक्सचेंज ने कहा कि वह सदस्य के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की प्रक्रिया में है। इससे पहले फरवरी में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने निवेशकों को उन अपंजीकृत संस्थाओं में पैसा लगाने को लेकर आगाह किया था, जो निवेश पर सुनिश्चित या असाधारण रूप से अधिक 'रिटर्न' का वादा करती हैं।

एप्पल ने भारत सहित 25 देशों से कमाया रिकॉर्ड राजस्व

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- जून तिमाही में शुद्ध आय 7.8 फीसदी बढ़कर 21.44 अरब डॉलर रही
- एक साल पहले यह राशि 19.8 अरब डॉलर थी

आईफोन बनाने वाली दिग्गज कंपनी एप्पल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने शुक्रवार को कहा कि जून तिमाही में कंपनी ने भारत समेत करीब 25 देशों में रिकॉर्ड राजस्व वृद्धि दर्ज की।

एप्पल की अप्रैल-जून तिमाही में शुद्ध आय 7.8 प्रतिशत बढ़कर 21.44 अरब डॉलर हो गई। यह एक साल पहले इसी अवधि में 19.8 अरब अमेरिकी डॉलर थी। कंपनी की समीक्षाधीन तिमाही में कुल शुद्ध बिक्री 4.8 प्रतिशत बढ़कर 85.77 अरब अमेरिकी डॉलर हो गई। यह 2023 अप्रैल-जून तिमाही में 81.79 अरब अमेरिकी डॉलर थी। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने कंपनी के तिमाही नतीजों पर चर्चा के दौरान कहा, ''एप्पल ने जून तिमाही में 85.8 अरब अमेरिकी डॉलर का नया राजस्व रिकॉर्ड दर्ज किया जो एक साल पहले की तुलना में पांच प्रतिशत अधिक है। यह हमारी उम्मीद से भी बेहतर है।हमने कनाडा, मैक्सिको, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, भारत, इंडोनेशिया, फिलिपीन और थाईलैंड सहित 24 से अधिक देशों तथा क्षेत्रों में तिमाही के दौरान रिकॉर्ड राजस्व हासिल किया।'' एप्पल का भारत, इंडोनेशिया, फिलिपीन और थाईलैंड से राजस्व अप्रैल- जून तिमाही में एक वर्ष पूर्व की तुलना में 76 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक बढ़ गया। आईफोन की बिक्री करीब एक प्रतिशत घटकर 39.29 अरब डॉलर रह गई, जो एक वर्ष पूर्व इसी तिमाही में 39.66 अरब डॉलर थी। एप्पल मैक की बिक्री सालाना आधार पर 2.4 प्रतिशत बढ़कर सात अरब अमेरिकी डॉलर हो गई।

आईपैड की बिक्री 24 फीसदी बढ़ी

वहीं आईपैड की बिक्री 5.8 अरब अमेरिकी डॉलर से 24 प्रतिशत बढ़कर 7.16 अरब अमेरिकी डॉलर हो गई। एप्पल के मुख्य वित्तीय अधिकारी लुका मेस्त्री ने कहा, ''हमने अपने उभरते बाजारों में खास तौर पर मजबूत प्रदर्शन देखा, जिनमें लैटिन अमेरिका, भारत और दक्षिण एशिया में मैक के लिए जून तिमाही में रिकॉर्ड बिक्री शामिल हैं।''

बायजू को मिली बड़ी राहत दिवाला कार्यवाई निरस्त

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्याधिकरण (एनसीएलएटी) ने शुक्रवार को वित्तीय संकट में फंसी शिक्षा-प्रौद्योगिकी कंपनी बायजू को बड़ी राहत देते हुए उसके खिलाफ दिवाला कार्यवाही को निरस्त कर दिया। एनसीएलएटी ने बायजू के संस्थापक बायजू रवींद्रन की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। इसमें बायजू का संचालन करने वाली कंपनी 'थिंक एंड लर्न' के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने के आदेश को चुनौती दी गई थी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 158.9 करोड़ रुपये की रकम चुकाने में चूक पर थिंक एंड लर्न के खिलाफ राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) का दरवाजा खटखटाया था। यह अपील दिवाला और ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत की गई थी। एनसीएलटी ने इस मामले में थिंक एंड लर्न के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने का आदेश दे दिया था। इसे अपीलीय न्यायाधिकरण में चुनौती दी गई थी। हालांकि, बीसीसीआई ने मंगलवार को एनसीएलएटी के समक्ष बायजू के साथ विवाद में सुनवाई को टालने का अनुरोध किया था और संकेत दिए थे कि दोनों पक्षों के बीच सुलह के लिए बातचीत जारी है।

- वित्तीय संकट में फंसी थी शिक्षा-प्रौद्योगिकी कंपनी

एनसीएलएटी की दो-सदस्यीय चेन्नई पीठ ने अपने आदेश में कहा, /''दाखिल हलफनामे को ध्यान में रखते हुए पक्षों के बीच समझौता स्वीकृत किया जाता है।

भुगतान को लेकर दी चेतावनी

हालांकि अपीलीय न्यायाधिकरण ने यह चेतावनी दी कि भुगतान करने में कोई भी विफलता बायजू के खिलाफ दिवाला कार्यवाही को दोबारा शुरू कर देगी। अपीलीय न्यायाधिकरण ने बायजू के अमेरिका स्थिति ऋणदाताओं के राउंड-ट्रिपिंग के आरोप को भी खारिज कर दिया और कहा कि वे इसके लिए कोई सबूत देने में विफल रहे।

गोदावरी ने ई-स्कूटर का नया संस्करण उतारा

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माता गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स ने अपने ई-स्कूटर 'इब्लू फियो एक्स' का नया संस्करण पेश किया है। यह भारत में कंपनी का इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खंड में दूसरा उत्पाद है। इसे 'भारत ग्लोबल मोबिलिटी एक्सपो' 2024 में पहली बार पेश किया गया था। इस ई-स्कूटर में 2.36 किलोवाट की बैटरी लगी है। यह एक बार चार्ज करने पर अधिकतम 110 किलोमीटर की दूरी तय कर सकता है। इसमें सीट के नीचे 28 लीटर 'स्टोरेज स्पेस' दी गई है। कंपनी ने इसकी शोरूम कीमत 99,999 रुपये तय की है। यह तीन साल और 30,000 किलोमीटर की वारंटी के साथ आता है। ''ईवी दोपहिया खंड में विस्तार के साथ हमारी कंपनी भारत में अगली पीढ़ी के परिवहन साधनों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रही है।''

खाद्य उत्पादों में देनी होगी नमक, चीनी की जानकारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- एसजेएम ने फैसले का किया स्वागत

स्वदेशी जागरण मंच (एसजेएम) ने शुक्रवार को पैकेट वाले खाद्य पदार्थों पर नमक, चीनी, वसा के बारे में मोटे अक्षरों में जानकारी देने के प्रस्ताव को मंजूरी देने के लिए एफएसएसएआई का स्वागत किया। एसजेएम ने कहा कि इससे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, कैंसर और अन्य बीमारियों में काफी कमी आएगी। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने हाल में पैकेट वाले खाद्य पदार्थों पर पोषण संबंधी जानकारी देने के नियमों में बदलाव को मंजूरी दी है। इसमें खाद्य उत्पादों के पैकेट पर नमक, चीनी और संतृप्त वसा की मात्रा की बड़े और मोटे अक्षरों में जानकारी देने की बात कही गई है।

उपभोक्ता सजग हो सकेंगे : महाजन ने कहा, ''ऐसी स्थिति में यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह लोगों को बताए कि कौन से खाद्य उत्पाद खाने के लिए सुरक्षित हैं और कौन से नहीं।' उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएचओ की निर्धारित सीमा से अधिक चीनी, नमक या संतृप्त वसा वाले खाद्य उत्पादों पर यदि ऐसी चेतावनी प्रदर्शित की जाती है, तो उपभोक्ता सजग हो सकेंगे।

स्वदेस फाउंडेशन का बांड अभिदान के लिए खुला

नई दिल्ली। गैर-लाभकारी संगठन स्वदेस फाउंडेशन का 10 करोड़ रुपये का जेडसीजेडपी (शून्य कूपन शून्य मूलधन) निर्गम नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएसई मंच पर अभिदान के लिए खुल गया है। जरीना और रॉनी स्क्रूवाला द्वारा स्थापित गैर-लाभकारी संगठन (एनपीओ) स्वेदस फाउंडेशन ने शुक्रवार को एक बयान में यह घोषणा की। 'शून्य-कूपन, शून्य-मूलधन' के जरिये सोशल स्टॉक एक्सचेंज (एसएसई) मंच में सूचीबद्ध गैर-लाभकारी संगठनों को धन दान किया जा सकता है। फाउंडेशन ने कहा कि यह एसएसई मंच पर किसी भी एनपीओ द्वारा जारी किया गया सबसे बड़ा निर्गम होगा।

इंफोसिस के खिलाफ 32.400 करोड़ रुपए का जीएसटी नोटिस वापस

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- कर्नाटक प्राधिकरण ने जारी किया था कारण बताओ नोटिस
- इंफोसिस ने इसे पुरानी जीएसटी देनदारी बताते हुए खारिज किया

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के कर्नाटक प्राधिकरण ने दिग्गज सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इन्फोसिस को भेजा गया लगभग 32,400 करोड़ रुपये की मांग का कारण बताओ नोटिस वापस ले लिया है।

इसके साथ ही कर्नाटक प्राधिकरण ने आईटी कंपनी को निर्देश दिया है कि वह इस मसले पर जीएसटी आसूचना महानिदेशालय के केंद्रीय प्राधिकरण को एक नया जवाब दे। डीजीजीआई जीएसटी, केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर के उल्लंघन से संबंधित मामलों के लिए शीर्ष आसूचना एवं जांच एजेंसी है। इसे अप्रत्यक्ष कर कानूनों के अनुपालन में सुधार करने का कार्य सौंपा गया है। इन्फोसिस ने बीएसई को बृहस्पतिवार शाम को दी सूचना में कहा था कि कर्नाटक राज्य अधिकारियों ने उसे भेजे गए कारण बताओ नोटिस को वापस लेने और कंपनी को इस मामले पर डीजीजीआई केंद्रीय प्राधिकरण को एक और जवाब देने का निर्देश दिया है। देश की दूसरी बड़ी आईटी कंपनी बुधवार को उस समय सुर्खियों में आ गई थी जब जीएसटी अधिकारियों ने कंपनी को 2017 से शुरू होने वाले पांच वर्षों के लिए अपनी विदेशी शाखाओं से मिली सेवाओं पर 32,403 करोड़ रुपये का नोटिस दिया।

नोटिस मॉडल से जुड़ी समझ की कमी दर्शाता है
सॉफ्टवेयर कंपनियों के राष्ट्रीय संगठन नैसकॉम ने भी बृहस्पतिवार को इन्फोसिस के पक्ष में बयान देते हुए कहा था कि यह नोटिस उद्योग के परिचालन मॉडल से जुड़ी समझ की कमी को दर्शाता है।

कंपनी विनिर्माण से होने वाले घाटे से उबरने का प्रयास कर रही

18 हजार कर्मचारियों की छंटनी करने की तैयारी में 'इंटेल'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिग्गज सेमीकंडक्टर कंपनी इंटेल अपने हजारों कर्मचारियों की छंटनी करने वाली है। कंपनी ने गुरुवार को छंटनी का ऐलान किया। उसने बताया कि वह अपने कुल कर्मचारियों के 15 फीसदी को काम से निकालने वाली है।

इंटेल को उसके मैनुफेक्चरिंग बिजनेस में घाटा हो रहा है। कंपनी उससे उबरने का प्रयास कर रही है। उबरने के प्रयासों के तहत इंटेल ने कई उपायों का ऐलान किया है, जिनमें छंटनी भी शामिल है। कंपनी की छंटनी की योजना का असर करीब 18,000 कर्मचारियों की नौकरी पर पड़ने वाला है, जो उसके कुल कर्मचारियों के 15 फीसदी के बराबर है।

इंटेल को कमाई कम रहने की आशंका

इंटेल ने अपनी वित्तीय स्थिति को ठीक करने के लिए चौथी तिमाही से लाभांश को बंद करने का भी ऐलान किया है। दरअसल तीसरी तिमाही में कंपनी को लगता है कि उसकी कमाई बाजार के अनुमान से कम रहने वाली है। अभी दुनिया भर में पारंपरिक डेटा सेंटर सेमीकंडक्टर पर खर्च कम हो रहा है। इंटेल उन पारंपरिक सेमीकंडक्टर के मामले में सबसे बड़ी कंपनी थी। अब एआई सेमीकंडक्टर पर फोकस बढ़ा है, जिसमें इंटेल अपनी प्रतिस्पर्धियों से काफी पीछे है।

एनविडिया और एएमडी जैसी कंपनियां आने से सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ी

प्रतिस्पर्धा बढ़ने से खराब हुई इंटेल की स्थिति

इंटेल यह छंटनी ऐसे समय कर रही है, जब एनविडिया और एएमडी जैसी प्रतिस्पर्धी सेमीकंडक्टर कंपनियां तेज तरक्की कर रही हैं। एनविडिया ने तो खास तौर पर एआई की सवारी कर शानदार तरक्की की है। अब एनविडिया की गिनती दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों की कतार में एप्पल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी दिग्गजों के साथ होने लगा है। वहीं पारंपरिक सेमीकंडक्टर पर अटकी रही इंटेल को अब चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

इस साल के अंत तक हो जाएगी छंटनी

इंटेल के कुल कर्मचारियों की संख्या अभी 1 लाख से ज्यादा है। 29 जून तक के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इंटेल के कर्मचारियों की संख्या 1,16,500 थी। इसमें इंटेल की कुछ सब्सिडियरी कंपनियों के कर्मचारियों का आंकड़ा शामिल नहीं है। इंटेल का कहना है कि प्रस्तावित छंटनी को इस साल के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। यानी प्रभावित होने वाले कर्मचारियों की नौकरी अगले 5 महीने के भीतर जाने वाली है।

विदेशी मुद्रा भंडार में आई गिरावट

एजेंसी ▶▶| मुंबई

- भंडार 3.47 अरब डॉलर घटकर 667.386 अरब डॉलर

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 26 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 3.471 अरब डॉलर घटकर 667.386 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

इससे पहले के सप्ताह में कुल मुद्रा भंडार 4.003 अरब डॉलर बढ़कर 670.386 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर चला गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 26 जुलाई को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.171 अरब डॉलर घटकर 586.877 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 2.297 अरब डॉलर घटकर 57.695 अरब डॉलर रह गया।

आईएमएफ के पास आरक्षित जमा बढ़ा : रिजर्व बैंक ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 50 लाख डॉलर घटकर 18.202 अरब डॉलर रह गया। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा 20 लाख डॉलर बढ़कर 4.612 अरब डॉलर हो गई।

उपलब्धि: 2035 तक अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की योजना

लद्दाख में बनेगा मंगल एवं चंद्रमा के समान अनुसंधान स्टेशन

यह स्टेशन यह भी अध्ययन करने की अनुमति देगा कि सूक्ष्मजीव और अन्य जीव ऐसे चरम वातावरण में कैसे प्रतिक्रिया देते हैं। वहीं वर्ष 2035 तक एक अंतरिक्ष स्टेशन और वर्ष 2040 तक चंद्रमा पर उतरने की योजना है।

एजेंसी ▶▶ लेह

देश के मंगल मिशन के लिए महत्वपूर्ण विकास में भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) और बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान (बीएसआईपी) के वैज्ञानिकों ने लद्दाख में देश का पहला मंगल और चंद्रमा समानांतर अनुसंधान स्टेशन के लिए आदर्श स्थल माना है। समानांतर अनुसंधान स्टेशन एक ऐसा केंद्र है, जहां चंद्रमा और मंगल मिशनों के लिए गतिविधियों का अनुकरण किया जा सकता है। उदाहरण के लिए अंतरिक्ष यात्री आवासों का निर्माण और परीक्षण किया जा सकता है, क्योंकि इसमें भूवैज्ञानिक समानता है, जो बाहरी ग्रहों की स्थितियों से मेल खाती हैं।

यह स्टेशन यह भी अध्ययन करने की अनुमति देगा कि सूक्ष्मजीव और अन्य जीव ऐसे चरम वातावरण में कैसे प्रतिक्रिया देते हैं। यह अनुसंधान बीएसआईपी की बिनीता फर्तियाल और आईआईएससी के आलोक कुमार के नेतृत्व में किया गया है।

जल्द आईएसएस की यात्रा करेगा अंतरिक्ष यात्री

केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने हाल में लोकसभा में घोषणा की कि भारतीय अंतरिक्ष यात्री, जिसे गगनयात्री कहा जाता है, जल्द ही अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा करेगा, जो भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), नासा और एक्सिओम स्पेस के सहयोग से एक मिशन का हिस्सा होगा।

लद्दाख वैज्ञानिक अध्ययनों के लिए एक प्राकृतिक प्रयोगशाला

जितेंद्र सिंह ने बताया कि मिशन में 2035 तक एक अंतरिक्ष स्टेशन और 2040 तक चंद्रमा पर उतरने की योजना शामिल है। क्षेत्र का ठंडा, शुष्क रेगिस्तान, चट्टानी भूभाग, और प्रारंभिक मंगल और चंद्रमा के समान भू-आकृतिक समानता इसे बाहरी ग्रहों की स्थितियों के अनुकरण के लिए उत्कृष्ट बनाती हैं। बिनिता फर्तियाल के अनुसार, लद्दाख उपकरणों के परीक्षण, कर्मचारियों के प्रशिक्षण और आवश्यक वैज्ञानिक अध्ययनों के लिए प्राकृतिक प्रयोगशाला प्रदान करता है। इसका वातावरण मंगल और चंद्रमा के लिए भू-रासायनिक, भू-आकृतिक और जीवविज्ञानिक समानता प्रदान करता है।

खबर संक्षेप

हिजबुल्लाह ने किया इजराइल पर हमला

बेरूत। लेबनानी आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह ने कहा है कि उसने दक्षिणी लेबनान पर हवाई हमले के जवाब में इजराइल पर रॉकेट से हमला किया है। हिजबुल्लाह ने गुरुवार को एक बयान में कहा, "चामा को निशाना बनाकर किए गए हमले और कई नागरिकों की शहादत के जवाब में, इस्लामिक प्रतिरोध सेनानियों ने शुक्रवार को पश्चिमी गैलिली में दुश्मन सेना के ठिकानों पर रॉकेट से बमबारी की। इजराइल में दागे 70 रॉकेट हिजबुल्लाह ने यह भी कहा कि उसने जल अल-आलम पर भी रॉकेट से हमला किया।

विमान में एयर होस्टेस के साथ जबरदस्ती, गिरफ्तार

वॉशिंगटन। सिएटल से डलास जा रही अमेरिकन एयरलाइंस की फ्लाइट में एक यात्री ने इतना हुडदंग मचाया कि कैप्टन को इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। यात्री ने पहले एयर होस्टेस के साथ बदतमीजी की और जब उसे रोका गया तो उसने विमान के दरवाजे खोलने का प्रयास किया। उसकी हरकतों को देखते हुए कैप्टन को आपातकालीन लैंडिंग के लिए मजबूर होना पड़ा। विमान की लैंडिंग के बाद एयरपोर्ट पर ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

सेना का सर्च ऑपरेशन जारी

पहाड़ों में बनी प्राकृतिक गुफा में बनाया आतंकी ठिकाना ध्वस्त, हथियारों का जखीरा बरामद

राजोरी के कालाकोट के जंगली इलाके में सुरक्षा बलों ने एक आतंकी ठिकाने को ध्वस्त किया है, वहीं जवानों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर रखी है और दहशतगर्दों की धरपकड़ के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है।

एजेंसी ▶▶ जम्मू

जम्मू संभाग के जिला राजोरी के कालाकोट के जंगली इलाके में सुरक्षा बलों ने एक आतंकी ठिकाने को ध्वस्त किया है। यह आतंकी ठिकाना प्रकृतिक गुफा के भीतर बनाया गया था। मौके से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। बुधवार देर रात सुरक्षा बलों को गुलाबगढ़ में कुछ संदिग्धों के घूमने की सूचना मिली। इसके बाद सेना, जम्मू कश्मीर पुलिस और बीएसएफ की संयुक्त टीम ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया।

- *15 अगस्त पर खलल डालने की कोशिश नाकाम*
- *आंतकवादियों का जल्द होगा खात्मा*
- *ठिकाना छोड़ भाग निकले आतंकवादी*
- *संयुक्त टीम ने इलाके की घेराबंदी कर ली तलाशी*

भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

जंगल में आतंकवादियों द्वारा प्रयोग किए जा रहे एक ठिकाने को ध्वस्त किया गया। यहां से सुरक्षा बलों ने एक एके47 राइफल, दो मैगजीन, एक पिस्तौल के साथ मैगजीन, दो हैंड ग्रेनेड, तीन विस्फोटक पैकेट और अन्य गोला-बारूद बरामद किया। इसके साथ ही एक बैग, कुछ खाने-पीने का सामान और सिगरेट के पैकेट भी मिले।

अमरनाथ यात्रा में खलल डालने की कोशिश नाकाम

रक्षा सूत्रों के अनुसार, भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और खाने-पीने का सामान बरामद होने से यह साफ होता है कि इलाके में आतंकी मौजूद थे। हालांकि सुरक्षा बलों की मौजूदगी और सर्च ऑपरेशन को देखते हुए आतंकी ठिकाना छोड़ भाग निकले। जवानों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर रखी है और दहशतगर्दों की धरपकड़ के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, इन हथियारों और गोला-बारूद से आतंकियों की 15 अगस्त और बाबा बूढ़ा अमरनाथ यात्रा में खलल डालने की नापाक साजिश थी, जिसे सुरक्षा बलों ने नाकाम कर दिया।

कंपनी ने जारी तनाव के चलते यह निर्णय लिया

एयर इंडिया ने इजराइल जाने वाली उड़ानों पर लगाई रोक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एयर इंडिया एयरलाइंस ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए तेल अवीव जाने और वहां से आने वाली अपनी उड़ानें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी है। कंपनी ने यह निर्णय मध्य पूर्व में जारी तनाव के कारण लिया है। ये निलंबन 8 अगस्त तक प्रभावी रहेगा।

8 अगस्त तक बंद रहेंगी उड़ाने स्थिति की निगरानी कर रहे

एयर इंडिया ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों में चल रही स्थिति को देखते हुए हमने 08 अगस्त तक तेल अवीव से आने-जाने वाली अपनी उड़ानों के निर्धारित संचालन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। एयरलाइन ने यह भी कहा है कि वे स्थिति की लगातार निगरानी कर रहे हैं। इस अवधि के दौरान तेल अवीव की यात्रा के लिए पुष्टि किए गए बुकिंग वाले यात्रियों को पुनः निर्धारित करने और रद्द करने के शुल्क पर एक बार की छूट दे रहे हैं।

अधिक जानकारी के लिए 24/7 संपर्क नंबर जारी

परिचालन कारणों से रद्द की गई उड़ानें

इसके अलावा एक अन्य अपडेट में एयर इंडिया ने कहा कि एक अगस्त को दिल्ली से तेल अवीव की उड़ान संख्या एआई 139 और तेल अवीव से दिल्ली की उड़ान संख्या एआई 140 को परिचालन कारणों से रद्द कर दिया गया। कंपनी ने बताया कि इन दो उड़ानों के लिए यात्रा के लिए पुष्टि किए गए बुकिंग वाले यात्रियों को पुनः निर्धारित करने और रद्द करने के शुल्क पर एक बार की छूट दी जाएगी। असुविधा के लिए हमें खेद है। एयर इंडिया ने कहा कि इस निर्णय से प्रभावित यात्रियों को एयर इंडिया द्वारा हर संभव सहायता दी जा रही है, ताकि उनकी यात्रा योजनाओं में न्यूनतम बाधा हो। इस अवधि के दौरान यात्रियों को अपनी यात्रा योजनाओं की पुनः समीक्षा करने की सलाह दी गई है। एयर इंडिया ने अपने यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा है कि हमारे मेहमानों और चालक दल की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। कंपनी ने कहा कि अधिक जानकारी के लिए 24/7 कार्यरत संपर्क केंद्र 011-69329333/011-69329999 पर कॉल करें। गौरतलब है एयर इंडिया एयरलाइंस नई दिल्ली से तेल अवीव के लिए सप्ताह में चार उड़ानें संचालित करती है।

मुख्य मुकाबला ट्रंप और हैरिस के बीच

अमेरिका में राष्ट्रपति उम्मीदवार बनाने के लिए वोटिंग हुई शुरू

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुने जाने के लिए वोटिंग की शुरुआत हो गई है। इसमें उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस की जीत तय मानी जा रही है। डेमोक्रेटिक पार्टी के डेलीगेट्स भारतीय समय के मुताबिक गुरुवार शाम साढ़े 6 बजे से 6 अगस्त को सुबह 4 बजे तक राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार चुनने के लिए वोट डाल सकते हैं। इसके बाद नतीजों की घोषणा होगी। कमला हैरिस को प्रेसिडेंशियल कैंडिडेट बनने के लिए 1976 वोटों की जरूरत है। उम्मीद जताई जा रही है कि वे यह आंकड़ा आसानी से पार कर लेंगी। 6 अगस्त को वोटिंग खत्म होने के बाद कमला उप-राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार के नाम की घोषणा भी कर सकती हैं।

बाइडेन के मंत्री ने भारत को कहा महान शक्ति

भारत को एक महान शक्ति बताते हुए बाइडन प्रशासन ने अमेरिकी सांसदों से कहा कि नई दिल्ली विश्व स्तर पर जिम्मेदार भूमिका निभाना चाहता है। ये टिप्पणियां अमेरिकी उप-विदेश मंत्री कर्ट कैंपबेल ने हिंद-प्रशांत से परे अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धात्मकता पर एक सुनवाई के दौरान की। उन्होंने कहा, इस बात के भी संकेत हैं कि पीएम नरेंद्र मोदी रूस के बाद इस माह के अंत में कीव का दौरा कर सकते हैं। कैंपबेल ने कहा, भारत एक महान ताकत है और इसकी अपनी मान्यताएं तथा हित हैं। वे कभी भी अमेरिका के औपचारिक सहयोगी या भागीदार नहीं होंगे। उन्होंने सुनवाई के दौरान सीनेट की विदेश संबंध समिति के सदस्यों से कहा, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि वैश्विक मंच पर सहयोगी देशों के रूप में हमारे सबसे मजबूत रिश्ते नहीं हो सकते।

पीएम मोदी कृषि अर्थशास्त्रियों के 32वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को नई दिल्ली में कृषि अर्थशास्त्रियों के 32वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आई.सी.ए.ई.) का उद्घाटन करेंगे और कार्यक्रम को संबोधित भी करेंगे। इस वर्ष के सम्मेलन का विषय है- सतत कृषि-खाद्य प्रणालियों की ओर परिवर्तन। कृषि अर्थशास्त्रियों के अंतर्राष्ट्रीय संघ की अध्यक्षता त्रिवार्षिक सम्मेलन आज शुरू हुआ और यह 7 अगस्त को संपन्न होगा। इस सम्मेलन का आयोजन 65 वर्षों के बाद भारत में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों में कमी, बढ़ती उत्पादन लागत और संघर्ष जैसी वैश्विक चुनौतियों के समक्ष टिकाऊ कृषि से संबंधित चुनौतियों से निपटना है। सम्मेलन वैश्विक कृषि चुनौतियों के प्रति भारत के सक्रिय दृष्टिकोण को पेश करेगा और कृषि अनुसंधान तथा नीति के लिए देश की प्रगति को प्रदर्शित करेगा।

राष्ट्रपति भवन में राज्यपालों का सम्मेलन आयोजित

विभिन्न केंद्रीय एजेंसियां सभी राज्यों में बेहतर समन्वय के साथ करें काम : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राज्यपालों के सम्मेलन का उद्घाटन किया। अपने उद्घाटन भाषण में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा राष्ट्रपति ने कहा कि लोकतंत्र के सुचारु संचालन के लिए यह जरूरी है कि विभिन्न केंद्रीय एजेंसियां सभी राज्यों में बेहतर समन्वय के साथ काम करें। उन्होंने राज्यपालों को सलाह दी कि वे इस बारे में सोचें कि वे संबंधित राज्यों के संवैधानिक प्रमुख के रूप में इस समन्वय को कैसे बढ़ावा दे सकते हैं। बता दें, सम्मेलन में ऐसे कई विषयों पर चर्चा की जाएगी, जो न केवल केंद्र-राज्य संबंधों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि जन-साधारण के लिए कल्याणकारी योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी किया संबोधित

राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा जारी एक बयान में बताया गया कि उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री ने भी उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राज्यपालों की शपथ का उल्लेख किया और उनसे पिछले दशक के दौरान हुए सामाजिक कल्याण योजनाओं तथा अभूतपूर्व विकास के बारे में लोगों को जागरूक करने की अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी का निर्वहन करने का आग्रह किया।

आधुनिक क्षेत्रों में सहयोग करने पर चर्चा

पीएम मोदी ने जापानी स्पीकर और उनके प्रतिनिधिमंडल से की मुलाकात

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने जापान के स्पीकर और उनके प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। उन्होंने भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी में सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा की। पीएम मोदी ने पारंपरिक विनिर्माण के साथ-साथ सेमीकंडक्टर, ईवी, हरित और स्वच्छ ऊर्जा जैसे आधुनिक क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। भारतीय युवाओं के लिए जापानी भाषा में प्रशिक्षण सहित प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पर भी चर्चा की। पीएम कार्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, पीएम ने जापान के प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष नुकागा फुकुशिरो और उनके प्रतिनिधिमंडल का 1 अगस्त को स्वागत किया।

वैज्ञानिकों का नई रिसर्च में दावा, आसान होगा धातक बीमारी का इलाज

बच्चों के सबसे खतरनाक ब्रेन ट्यूमर की नई दवा मिली!

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बच्चों में होने सबसे खतरनाक ब्रेन ट्यूमर मेडुलोब्लास्टोमा की एक नई दवा मिल गई है। यह दवा पैंक्रियाटिक कैंसर के इलाज के लिए विकसित की गई थी, लेकिन यह बच्चों में होने वाली घातक बीमारी के इलाज में भी असरदार साबित हो रही है। इस दवा का नाम ट्रिप्टोलाइड है, जिसे चीनी दवा से बनाया गया है. यह दवा मेडुलोब्लास्टोमा के प्रीक्लिनिकल मॉडल्स में बेहद कारगर साबित हुई है। सबसे अच्छी बात यह है कि ट्रिप्टोलाइड दवा का ब्रेन ट्यूमर के इलाज में इस्तेमाल करने पर कोई साइड इफेक्ट भी नहीं दिखा है। एक नई स्टडी में इसका खुलासा हुआ है।

कैंसर को नष्ट करने में मदद करेंगी दवा

जर्नल ऑफ क्लिनिकल इन्वेस्टिगेशन में प्रकाशित इस स्टडी में पता चला है कि ट्रिप्टोलाइड दवा ब्रेन ट्यूमर से जूझ रहे बच्चों के जीवन की अवधि बढ़ा सकती है और कैंसर को नष्ट करने में मदद कर सकती है। दवा का एक विशेष रूप मिनेलाइड रीढ़ की हड्डी के पतले ऊतकों में कैंसर कोशिकाओं के प्रसार को कम करने में मददगार हो सकता है। ट्रिप्टोलाइड उन ट्यूमर्स में अधिक प्रभावी हो सकती है।

◆ एक हालिया स्टडी में दावा किया गया है कि पैंक्रियाटिक कैंसर के इलाज के लिए बनाई गई है।

कैरोलिना यूनिवर्सिटी के शोध में हुआ खुलासा

साउथ कैरोलिना मेडिकल यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर जेजाबेल रोड्रिगेज ब्लैंको द्वारा की गई रिसर्च में ट्रिप्टोलाइड और मिनेलाइड ड्रग पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसके अलावा ट्रिप्टोलाइड की एमवाईसी नामक एक ऑन्कोजीन या जीन को टागरेट करने की क्षमता की खोज की गई, जिसमें कैंसर उत्पन्न करने की क्षमता होती है। शोध से पता चला कि ट्यूमर में एमवाईसी (प्रोटो-ओंकोजीन) की जितनी ज्यादा प्रतियां होती हैं, ट्रिप्टोलाइड उतना ही बेहतर काम करती है। अतिरिक्त एमवाईसी प्रतियों वाले ग्रुप 3 ट्यूमर में इसका प्रभाव 100 गुना ज्यादा था। शोधकर्ताओं ने रिसर्च में पाया कि मिनेलाइड ट्यूमर के विकास और ब्रेन व रीढ़ की हड्डी को ढकने वाले पतले टिशू में कैंसर कोशिकाओं के प्रसार को कम कर सकता है, जिसे लेप्टो मेनिंगेस कहा जाता है. प्रोड्रग के इस्तेमाल से वर्तमान में उपचार में प्रयुक्त कीमोथेरेपी दवा साइक्लोफॉस्फेमाइड का प्रभाव भी बढ़ गया है। मिनेलाइड का परीक्षण वर्तमान में पैंक्रियाटिक कैंसर सहित विभिन्न प्रकार के कैंसर वाले वयस्कों के क्लीनिकल ट्रायल में किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)